दैनिक कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

वर्ष 5, अंक 303 | भोपाल, रविवार 11 मई, 2025 | वैशाख शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

सरकार ने पाकिस्तान को चेताया

सरकार का सख्त संदेश- भविष्य में किसी भी आतंकवादी कृत्य को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

भारत ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अनुसार जवाब दिया जाएगा। भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। यह पाकिस्तान के लिए कड़ी चेतावनी है। इसके साथ ही भारत ने कहा कि उसने पश्चिमी सीमा पर ड्रोन, लंबी दूरी के हथियारों एवं लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर अन्य इलाकों और सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर खतरे पैदा करने की पाकिस्तान की उकसावे वाली कार्रवाई को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया है। भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान अपने सैनिकों को सीमावर्ती इलाकों में लेकर जा रहा है जो स्थिति को और तनावपूर्ण करने के ''आक्रामक इरादे'' का संकेत है। सेना ने साथ ही कहा कि वह अभियानगत रूप से पूरी तरह तत्पर हैं। बड़े सैन्य संघर्ष की आशंकाओं के बीच, सैन्य प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल तनाव न बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं, बशर्ते पाकिस्तानी सेना भी ऐसा ही करे। उन्होंने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ एक विशेष संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मि सरी ने कहा कि भारत ने पाकिस्तानी सेना की ''उकसाने वाली'' एवं ''तनाव बढ़ाने वाली'' कार्रवाइयों का नपा-तुला जवाब दिया है तथा पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर एवं पंजाब में निर्दोष लोगों एवं असैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का अपना घृणित और अनियंत्रित अभियान जारी रखे हुए है। कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान ने एक ''कायराना'' कृत्य करते हुए श्रीनगर, अवंतीपुरा और उधमपुर में वायुसेना अड्डों पर एक चिकित्सा केंद्र और स्कूल परिसर पर हमला किया तथा पंजाब में कई वायुसेना अड्डों पर रात एक बजकर 40 मिनट के बाद के बाद ''उच्च गति वाली मिसाइलों'' से हमले किए गए, जिससे कुछ नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि सभी शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया गया है तथा उचित जवाब दिया गया।

पाकिस्तान के सीजफायर उल्लंघन पर एमईए का बयान-

अपनी जिम्मेदारी समझे पड़ोसी मुल्क, सेना को ठोस कदम उठाने के आदेश

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

सीजफायर की घोषणा के बाद भी पाकिस्तान ने आज इसका घोर उल्लंघन किया है। भारत के क्षेत्र में पाकिस्तान के ड्रोन देखने को मिले। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान को दो टूक जवाब दिया है। विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से सीजफायर का घोर उल्लंघन किया गया है। पाकिस्तान में विश्वास को तोड़ा है। पाकिस्तान इसको गंभीरता से समझे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सेना को जवाबी कार्रवाई के लिए ठोस निर्देश दिए गए हैं।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री का कहना है, "भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच पिछले कुछ दिनों से चल रही सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए आज शाम एक सहमति बनी। पिछले कुछ घंटों से पाकिस्तान की ओर से इस सहमति का उल्लंघन किया जा रहा है। भारतीय सेना जवाबी कार्रवाई कर रही है और सीमा पर इस घुसपैठ से निपट रही है। यह घुसपैठ बेहद निंदनीय है और इसके लिए पाकिस्तान जिम्मेदार है। हमारा मानना है कि पाकिस्तान को इस स्थिति को ठीक से समझना चाहिए और इस घुसपैठ को रोकने के लिए तुरंत उचित कार्रवाई करनी चाहिए।" विक्रम मिस्त्री ने कहा, "सशस्त्र बल स्थिति पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ-साथ नियंत्रण रेखा पर सीमा उल्लंघन की किसी भी पुनरावृत्ति की घटना से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं।"

ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों में लश्कर से जैश तक के आतंकी शामिल

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

7 मई को पाकिस्तान में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमलों में मारे गए आतंकवादियों का विवरण सूत्रों के हवाले से सामने आ गया है। लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध मुदस्सर खादियन खास उर्फ मुदस्सर उर्फ अबू जुंदाल। उसकी जनाजे की नमाज़ एक सरकारी स्कूल में हुई, जिसका नेतृत्व जमात-उद-दावा (एक नामित वैश्विक आतंकवादी) के हाफ़िज़ अब्दुल रऊफ़ ने किया। नमाज़ समारोह में पाक सेना के एक सेवारत लेफ्टिनेंट जनरल और पंजाब पुलिस के आईजी शामिल हुए। जैश-ए-मोहम्मद से संबद्ध एक और आतंकी हाफ़िज़ मुहम्मद जमील इसमें मारा गा। वह मौलाना मसूद अज़हर का सबसे बड़ा साला है। इसके अलावा इसी से संबद्ध मोहम्मद यूसुफ़ अज़हर उर्फ उस्ताद जी उर्फ मोहम्मद सलीम उर्फ घोसी साहब। वह मौलाना मसूद अज़हर का साला है। वह IC-814 अपहरण मामले में वांछित था। इसके अलावा खालिद उर्फ अबू अकाशा। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ। वह जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी हमलों में शामिल था और अफगानिस्तान से हथियारों की तस्करी में शामिल था। उसका अंतिम संस्कार फैसलाबाद में हुआ और इसमें पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी और फैसलाबाद के डिप्टी कमिश्नर शामिल हुए। मोहम्मद हसन खान। जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा हुआ। वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जैश के ऑपरेशनल कमांडर मुफ्ती असगर खान कश्मीरी का बेटा था। उसने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों के समन्वय में अहम भूमिका निभाई थी। भारतीय वायुसेना ने ''ऑपरेशन सिंदूर'' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के मुख्यालयों को रात के वक्त निशाना बनाया जिनमें आतंकियों के छिपने के नौ ठिकाने शामिल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारतीय वायुसेना के सटीक अभियान में निशाना बनाए गए ठिकानों में बहावलपुर का मरकज सुभान अल्लाह, तेहरा कलां का सरजल, कोटली का मरकज अब्बास और मुजफ्फराबाद का सैयदना बिलाल कैंप शामिल हैं। ये सभी ठिकाने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं।

कमोडोर रघु आर नायर ने पीसी में दिया पाकिस्तान को सख्त संदेश

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर सहमति बन गई है। पिछले दो दिनों से जारी तनाव के बीच पाकिस्तान को अपनी हकीकत समझ आ गई है। इसलिए पड़ोसी मुल्क के सैन्य संचालन महानिदेशक (DGMO) ने आज खुद फोन कर भारतीय DGMO से बात की है। यह बात खुद भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताई है।

प्रेस कांफ्रेंस में आज सीजफायर के ऐलान के साथ ही पाकिस्तान के झूठ के पुलिंदों की पोल भी खोल दी गई। लेकिन आज भारत की तरफ से की गई प्रेस कांफ्रेंस में कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ-साथ कमोडोर रघु आर नायर भी थे। भारतीय नेवी में कमोडोर रघु आर नायर ने सीजफायर की बात बताते हुए पाकिस्तान को सख्त चेतावनी भी दी। कमोडोर रघु आर नायर ने कहा कि समुद्र, हवा और जमीन पर सभी सैन्य गतिविधियों को रोकने के लिए सहमति बन गई है। भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेनाओं को इस सहमति का पालन करने का निर्देश दिया गया है। भारत ने पूरी जिम्मेदारी के साथ इस समझौते को लागू करने का फैसला किया है, लेकिन किसी भी उकसावे का जवाब देने के लिए ताकतवर सेनाएं तैयार हैं। बता दें कि कमोडोर रघु आर नायर जो वर्तमान में भारतीय नौसेना में कमोडोर के पद पर हैं, उन्हें नेवी में अपनी शानदार सेवा के लिए 76वें गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति के द्वारा नौसेना मेडल से सम्मानित किया गया है। बता दें की वीयोन की रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई 2023 में फ्रांस में बैस्टिल दिवस समारोह में पीएम मोदी मुख्य अतिथि थे।

सिंधु जलसंधि पर नहीं बदलेगा भारत का फैसला, अभी कम नहीं होगी पाकिस्तान की मुश्किलें

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

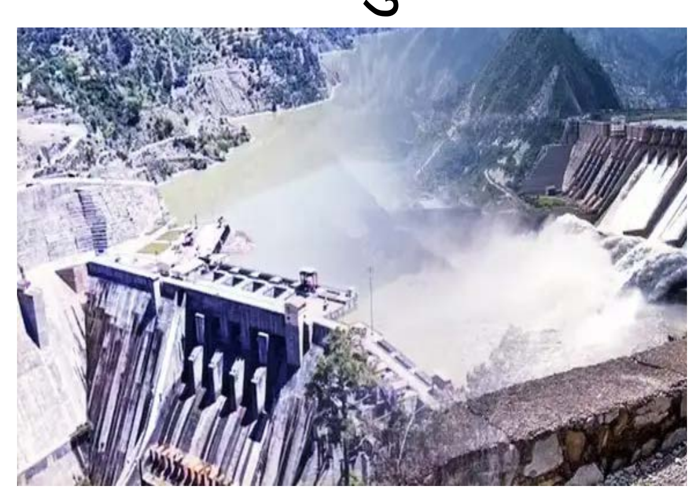

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर गोलीबारी भले ही थम गई हो, लेकिन पाकिस्तान के लिए राहत की कोई गुंजाइश नहीं दिख रही। भारत ने एक बार फिर अपनी कूटनीतिक ताकत का लोहा मनवाते हुए सिंधु जल समझौते पर किसी भी तरह का फैसला लेने से साफ इनकार कर दिया है। यानी, पाकिस्तान की उम्मीदों पर पानी फिर गया और सिंधु जल संधि फिलहाल स्थगित ही रहेगी विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने सनसनीखेज खुलासा किया कि सीजफायर का प्रस्ताव पाकिस्तान की ओर से आया था, लेकिन भारत ने इसे अपनी शर्तों पर लागू करवाया। सूत्रों ने दो टूक कहा, 'यह कोई आपसी समझौता नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ता का नतीजा है। सीजफायर हमारी शर्तों पर हुआ, और सिंधु जल संधि पर कोई बातचीत नहीं होगी।' यह साफ है कि भारत ने पाकिस्तान को कूटनीति के मैदान में चारों खाने चित कर दिया। पाकिस्तान, जो पहले ही आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहा है, अब पानी के मोर्चे पर भी भारत की कड़ी नीति का सामना करेगा। सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान की कृषि और अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन भारत ने साफ कर दिया कि जब तक पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता, उसे किसी राहत की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। जानकारों का मानना है कि यह फैसला पाकिस्तान के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं।

यह खबर पाकिस्तान के लिए एक और चेतावनी है कि भारत अब नरमी बरतने के मूड में नहीं है। चाहे सीमा पर शांति का सवाल हो या पानी का मुद्दा, भारत अपनी शर्तों पर ही खेल खेलेगा। अब सवाल यह है कि इस कूटनीतिक चोट से पाकिस्तान कैसे उबरता है, या फिर उसकी मुश्किलें और गहराती हैं। भारत का यह रुख न सिर्फ पाकिस्तान, बल्कि पूरी दुनिया को संदेश देता है कि भारत अपनी संप्रभुता और हितों से कोई समझौता नहीं करेगा।

3 घंटे में ही पाकिस्तान ने तोड़ा सीजफायर, सीमावर्ती क्षेत्र में फिर किए ड्रोन से हमले

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। सीजफायर होने के बावजूद भी वह भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने ड्रोनेस भेज रहा है। पाकिस्तान द्वारा भेजा जा रहा है ड्रोनेस को भारत की ओर से खत्म किया जा रहा है। श्रीनगर से लेकर बाड़मेर तक फिलहाल ब्लैकआउट किया गया है। जम्मू, श्रीनगर में लोगों को आवाज सुनाई दी है। पंजाब के फिरोजपुर और राजस्थान के बाड़मेर में भी कंप्लीट ब्लैकआउट कर दिया गया है। उमर अब्दुल्ला ने भी इसे पाकिस्तान की शर्मनाक हरकत बताया है। भारत की ओर से सेनन को निर्देश दिया गया है कि पाकिस्तान की हर एक हरकत का जोरदार जवाब दिया जाए। सरकार ने शनिवार को निर्णय लिया कि भारत अपनी सरजमीं पर भविष्य में होने वाले किसी भी आतंकवादी हमले को ''युद्ध की कार्वाई'' मानेगा और उसी के अनुसार जवाब देगा। शीर्ष आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह चेतावनी पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुई सैन्य कार्रवाई को समाप्त करने के लिए दोनों देशों के बीच सहमति की घोषणा से पहले दी गई। इस निर्णय के साथ, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आतंकवादी घटनाओं के खिलाफ एक स्पष्ट ''लक्ष्मण रेखा'' खींचने की कोशिश की है और

यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी फिर से भारत को निशाना बनाते हैं, तो सरकार पहलगाम घटना के बाद जैसी ही सैन्य प्रतिक्रिया देगी। एक शीर्ष सरकारी सूत्र ने कहा, ''भारत में भविष्य में होने वाले किसी भी आतंकवादी कृत्य को देश के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसका जवाब उसी के अनुसार दिया जाएगा।'' अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ''युद्ध की कार्वाई'' से तात्पर्य किसी देश द्वारा दूसरे देश के विरुद्ध शत्रुतापूर्ण कार्रवाई से है, जो पीड़ित देश को हमलावर पर हमला करने का वैध आधार प्रदान करती है। इस बयान के तुरंत बाद भारत ने घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने शनिवार शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र पर सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने आज अपराह्न तीन बजकर 35 मिनट पर भारत के डीजीएमओ को फोन किया।

क्या होता है सीजफायर...? जिस पर राजी हुए दोनों देश, भारत-पाकिस्तान के बीच अब आगे क्या होगा

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान ने पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में घोषणा की कि अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी रात तक चली बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम पर सहमत हो गए हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी रात तक चली बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम पर सहमत हो गए हैं। कॉमन सेंस और ग्रेट इंटेलिजेंस का उपयोग करने के लिए दोनों देशों को बधाई। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद! अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम की घोषणा के साथ, यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि युद्ध विराम क्या है और युद्ध विराम में क्या होता है?

युद्ध विराम विरोधी पक्षों के बीच शत्रुता या सशस्त्र संघर्ष में एक अस्थायी विराम है, जो आम तौर पर एक विशिष्ट अवधि या उद्देश्य के लिए लड़ाई को रोकने के लिए सहमत होता है। यह एकतरफा हो सकता है, जब एक पक्ष लड़ाई बंद कर देता है, या आपसी, जब दोनों पक्ष रुकने के लिए सहमत होते हैं। युद्ध विराम का उपयोग अक्सर युद्ध, विद्रोह या सीमा पर संघर्षों में किया जाता है।

भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम की स्थिति में, यह मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोक देगा, जिसमें तुर्की द्वारा आपूर्ति किए गए अस्सिगार्ड सोंगर ड्रोन भी शामिल हैं। दोनों पक्ष अस्पतालों जैसे नागरिक बुनियादी ढांचे और अधमपुर के एस-400 सिस्टम जैसे सैन्य स्थलों को निशाना बनाना बंद करने पर सहमत होंगे। ऐसा माना जाता है कि युद्ध विराम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हस्तक्षेप के बाद आया है, जिनके दोनों देशों के साथ अच्छे संबंध हैं।

कई बार सीज फायर जारी युद्ध के बीच घायल या बीमार लोगों को हटाने, आदान-प्रदान और परिवहन की अनुमति मिल सके इसलिए भी लागू किया जाता है। इसलिए इसे पूरी तरह से किसी संघर्ष का अंत नहीं समझा जा सकता है। हालांकि, छद्म युद्ध और क्रॉस बॉर्डर फायरिंग जैसी स्थिति में सीज फायर लंबे समय तक जारी रहने का मतलब फिर से शांति बहाली की ओर जाना भी हो सकता है।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

इंदौर दौरे पर आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
रोजगार मेला और अहिल्या बावड़ी लोकार्पण समेत कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

दैनिक कारखाने का सफर। इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज (रविवार) को इंदौर आएंगे। वे यहां दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सीएम सुबह 10:45 बजे इंदौर पहुंचेंगे और सीधे रेसीडेंसी जाकर ज्युडिशियरी के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वे दशहरा मैदान में आयोजित 'महापौर मेगा रोजगार मेला' में शामिल होंगे। इसके बाद वे सिरपुर पहुंचकर स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद सिरपुर से वे कनाड़िया जाएंगे, जहां 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत जीर्णोद्धार की गई अहिल्या बावड़ी का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद वे ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित सोशल मीडिया संबंधी कार्यक्रम में भाग लेंगे। शाम को मुख्यमंत्री एयरपोर्ट से भोपाल के लिए रवाना हो जाएंगे।

आज तिरंगा यात्रा भी निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे। यह यात्रा बड़ा गणपति से प्रारंभ होकर गोराकुण्ड, खजूरी बाजार होते हुए राजबाड़ा तक पहुंचेगी। मुख्यमंत्री के आगमन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों के माध्यम से कार्यक्रमों की तैयारियां की गई हैं। शनिवार को कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों ने रेसीडेंसी कोठी, दशहरा मैदान, सिरपुर और कनाड़िया पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

17 मई को भोपाल में फिर गूंजेगी हंसी की गूंज
स्टैंडअप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी का धमाल, रवींद्र भवन में होगा शो

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी भोपाल एक बार फिर हास्य और मनोरंजन की महफिल का गवाह बनने जा रही है। 17 मई की शाम रवींद्र भवन में देश के लोकप्रिय स्टैंडअप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी अपने चिरपरिचित अंदाज़ में दर्शकों को गुदगुदाने आ रहे हैं। यह विशेष शो Team Curators और Oriole Entertainment के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है। अनुभव सिंह बस्सी, जो न सिर्फ एक स्टैंडअप कॉमेडियन हैं, बल्कि अभिनेता और यूट्यूबर के रूप में भी पहचान रखते हैं, 2017 में एक ओपन माइक से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद आज लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं। उनका ठेठ देसी अंदाज़ और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े चुटीले किस्से युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। खास बात यह है कि बस्सी करीब एक साल बाद फिर भोपाल में परफॉर्म करने जा रहे हैं, और उनके प्रशंसकों में इस शो को लेकर खासा उत्साह है। पिछली बार की तरह इस बार भी आयोजन स्थल रवींद्र भवन दर्शकों से खचाखच भरा रहने की उम्मीद है। कार्यक्रम शाम 7 बजे से शुरू होगा और टिकटें Book My Show पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। आयोजकों के पास भी सीमित संख्या में पास उपलब्ध हैं।

अपर्णा यादव के विरोध पर अनुभव बस्सी का शो कैंसिलः कहा था- अश्लील कंटेंट बनाते हैं। लखनऊ में आज (शनिवार) होने वाला कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी का शो कैंसिल हो गया है। महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव की आपत्ति के बाद शो को कैंसिल किया गया है। अर्पणा ने कहा था- बस्सी अश्लील कंटेंट बनाते हैं। मेरी मांग है, शो में अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले स्टैंड-अप कॉमेडी शो को इजाजत नहीं मिले। साथ ही सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। कॉमेडी के नाम पर अश्लीलता किसी भी तौर पर स्वीकार नहीं।

साल बीता-300 करोड़ की ठगी के आरोपी अब भी फरार
इंदौर क्राइम ब्रांच के 5 अफसरों ने लटकाई जांच, तीन राज्यों की पुलिस को भी तलाश

दैनिक कारखाने का सफर। इंदौर

शुभम नामदेव | विशाल

शुभम नामदेव | अमन नामदेव | कुलदीप पगारे

बैंक अकाउंट किराए पर लेकर 300 करोड़ से ज्यादा की ठगी करने वाले दो बदमाश शुभम नामदेव और विशाल पटोले एक साल बाद भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर ही हैं। दोनों ने कई जरूरतमंदों, स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स को अपने जाल में फंसाकर उनके अकाउंट किराए पर लिए और धोखाधड़ी की। पहले मई और फिर सितंबर 2024 में इन दोनों की नामजद शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर तो दर्ज कर ली, लेकिन जांच नहीं की। एक साल तक फाइल को क्राइम ब्रांच ने लटकाए रखा। हालांकि, पुलिस इनके 5 साथियों को दो माह पहले 24 मार्च 2025 को गिरफ्तार कर चुकी है। इससे पहले पुलिस ने 2 आरोपियों को पकड़ा था।

एक साल के दौरान क्राइम ब्रांच के 5 अफसरों की टेबल पर यह फाइल भटकती रही, लेकिन जांच आगे नहीं बढ़ सकी। जब इसकी शिकायत सीनियर अफसरों तक पहुंची तो उन्होंने इसकी गोपनीय जांच शुरू करा दी। लेकिन, जांच पूरी हो पाती इससे पहले जांच अफसर का तबादला हो गया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि कुछ पुलिसकर्मी आरोपी शुभम नामदेव और विशाल के संपर्क में थे। इसलिए क्राइम ब्रांच जो भी कार्रवाई करती उसकी सूचना पहले ही शुभम तक पहुंच जाती और वह लोकेशन बदलने में कामयाब हो जाता था। यही कारण था कि डिजिटल धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में पंजाब, छत्तीसगढ़ और गुजरात की पुलिस भी दोनों की तलाश में इंदौर आई, लेकिन वे हाथ नहीं लगे। बैंक खाते किराए पर लेकर ऑनलाइन ठगी करने वाली गैंग का करीब एक साल पहले खुलासा हुआ था। इसके बाद इंदौर क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन ठगी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए मास्टरमाइंड शुभम नामदेव के साले अमन और उसके साथी कुलदीप सहित 7 को गिरफ्तार किया था। ये सभी आरोपी डॉ. मोहन सोनी के साथ हुई 3 करोड़ से ज्यादा की ठगी में शामिल थे। शुभम और उसका गिरोह ऑनलाइन ठगी, डिजिटल अरेस्ट और डिजिटल फ्रॉड के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराता था। ठगी की रकम इन खातों में ट्रांसफर की जाती थी और खाता धारकों को कुछ कमीशन दिया जाता था। खाते अधिकांश छात्रों और जरूरतमंदों के होते थे। जांच में सामने आया है कि इस गिरोह के जरिए करोड़ों रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है। पुलिस इसे प्रारंभिक रूप से 300 करोड़ तक मान रही है। हालांकि, शुभम के पकड़ में आने पर यह आंकड़ा बढ़ने की उम्मीद है। मामले में अब तक पुलिस सात आरोपी अमन नामदेव, कुलदीप पगारे (निवासी राजनगर), आनंद पहाड़िया (निवासी हवा बंगला, द्वारकापुरी), मोहित भावसार (निवासी एरोड्रम), मोहम्मद रेहान (निवासी उज्जैन), शाहरुख कुरैशी और एजाज खान को गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि शुभम और विशाल की तलाश है।

शुभम को गुजरात, छत्तीसगढ़ और पंजाब पुलिस भी तलाश कर रही है। इंदौर में भले ही क्राइम ब्रांच ने उसका नाम 3 करोड़ की धोखाधड़ी में शामिल किया हो। लेकिन, वह 200 अकाउंट से देशभर के लोगों से 300 करोड़ से ज्यादा हड़प चुका है। हाल ही में रायपुर (छत्तीसगढ़) के देवेंद्र नगर थाने से एसआई देवेंद्र भी शुभम नामदेव को ढूंढने इंदौर आए थे। उन्होंने यहां क्राइम ब्रांच के साथ एरोड्रम और अन्नपूर्णा इलाके के फ्लैट में दबिश दी, लेकिन वह यहां से पहले ही भाग चुका था। छत्तीसगढ़ में पकड़ाए एक आरोपी ने 6 लाख रुपए के फर्जी ट्रांजेक्शन में शुभम नामदेव का नाम लिया था। इसके चलते छत्तीसगढ़ पुलिस शुभम को तलाश रही है। डिजिटल अरेस्ट कर हुए करोड़ों रुपए के लेनदेन के ऐसे ही एक मामले में गुजरात पुलिस भी शुभम को ढूंढते हुए इंदौर आई थी। अप्रैल में ही पंजाब पुलिस भी शुभम नामदेव और उसके साथी विशाल पटोले को ढूंढते हुए इंदौर आई थी। पंजाब पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद ली, लेकिन वह शुभम और विशाल तक पहुंच ही नहीं पाई। कुछ दिन पहले शुभम के एक साथी को मंदसौर पुलिस ने पकड़ा है।

पुलिस कमिश्नर के आदेश, उन्माद वाली पोस्ट पर लाइक भी किया तो होगी कार्रवाई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने और आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर एफआईआर दर्ज होगी। ऐसी पोस्ट को लाइक या शेयर करने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश शनिवार को पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने दिए। उन्होंने कहा कि देश के मौजूदा हालात को देखते हुए ये कदम उठाए गए हैं। कोई भी व्यक्ति धार्मिक, सामाजिक या जातिगत भावना भड़काने वाली पोस्ट नहीं करेगा। हिंसा फैलाने वाले फोटो और वीडियो शेयर करना भी प्रतिबंधित है। आपत्तिजनक पोस्ट को लाइक-शेयर करने वालों पर भी केस दर्ज किया जाएगा। साइबर कैफे में आने वालों को पहचान पत्र दिखाना होगा।

धरना-प्रदर्शन की अनुमति अनिवार्यः कोई भी धरना, रैली, जुलूस, पुतला दहन आदि बिना अनुमति के नहीं किया जा सकेगा। धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले भाषणों पर सख्त रोक रहेगी। आयोजनकर्ताओं को सभी शर्तों का पालन करना होगा। किसी भी प्रकार के हथियार, विस्फोटक या जनसुरक्षा के लिए खतरा बन सकने वाली वस्तुएं रखना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

अफवाह फैलाने पर कार्रवाई : कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स आदि पर अफवाह फैलाने वाली सामग्री पोस्ट करना कानून व्यवस्था के लिए खतरा माना जाएगा। उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई होगी।

इंदौर के बॉम्बे हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी, अज्ञात पर केस दर्ज

दैनिक कारखाने का सफर। इंदौर

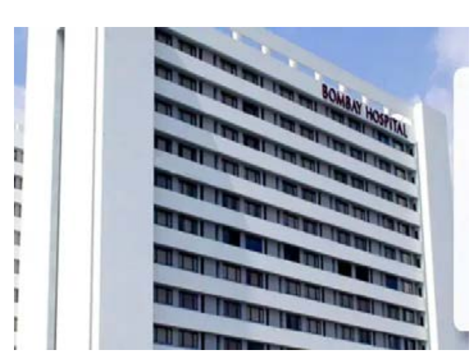

इंदौर के बॉम्बे हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अस्पताल की ऑफिशियल मेल आईडी पर लेटर आया है। मामले में एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर ने लसूडिया पुलिस को शिकायत की है। इसकी जांच की जा रही है। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक राहुल पाराशर डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन बॉम्बे हॉस्पिटल की शिकायत पर अज्ञात ईमेल आईडी वाले के खिलाफ केस दर्ज किया है। लेटर हेड पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बॉम्बे अस्पताल परिसर को बम से उड़ाने की धमकी इमेल आई.डी. divijprabhakaralakshmi@gmail.com से बॉम्बे अस्पताल की इमेल आईडी msofficebhi@gmail.com में मेल भेजा गया था। पुलिस के मुताबिक अस्पताल प्रशासन को मेल शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे मिला था। जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर देर शाम मामला दर्ज किया है।

इसके पहले शुक्रवार को होल्कर स्टेडियम को उड़ाने की धमकी मिली थी। जिसमें एमपीसीए को आफिशियल बेवसाइट पर मेल आया था। इस मामले में बम स्क्वॉड ने जांच भी की थी। जिसमें क्राइम ब्रांच ने मामला जांच में लिया था। हालाकि शनिवार को इंदौर में बस स्टैंड, मॉल सहित कई जगहों पर बम स्क्वॉड की टीम ने एहतियातन सर्चिंग भी की थी। जिसमें कुछ नही मिला पुलिस अफसरों के मुताबिक पूर्व में आईपीएस कॉलेज में भी इसी तरह के फर्जी मेल आए थे। जिसे खाली कराया गया था। वहीं एयरपोर्ट पर भी कई बार इस तरह की धमकी भरे मेल पहुंचे है। इसके साथ ही कुछ दिन पहले पंजाब नेशनल बैक में भी मेल पहुंचा था। जिसमें पुलिस अफसरों ने जांच शुरू की थी।

मासिक चित्रांश बैठक पॉलिटेक्निक के सभागार में देश की रक्षा हेतु सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेज के सभागार मेंआयोजित चित्रांश समाज की मासिक बैठक इस बार एक विशेष उद्देश्य के साथ सम्पन्न हुई। भारत और पाकिस्तान के बीच वर्तमान में जो तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है, उसे ध्यान में रखते हुए समाज के सभी सदस्यों ने देश की सुरक्षा और सैनिक भाइयों के आत्मबल को सुदृढ़ करने के लिए सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। यह पाठ वीरता, साहस और संकटमोचन की प्रतीक शक्ति भगवान हनुमान जी को समर्पित था, जिसमें देशवासियों की सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और सैनिकों के मानसिक बल को मज़बूती देने की सामूहिक भावना निहित थी। "समाज का कर्तव्य केवल सामाजिक गतिविधियों तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्र संकट की घड़ी में एकजुट होकर प्रार्थना और समर्थन देना भी हमारी जिम्मेदारी है।" कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने गहरी आस्था और समर्पण के साथ इस दिव्य आयोजन में भाग लिया। यह बैठक केवल सामाजिक संवाद नहीं, राष्ट्र के लिए सामूहिक चिंतन और प्रार्थना का उदाहरण बन गई।

भारतीय सेना पर मंडल को गर्व है -रिंकू भटेजा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि जिस प्रकार से भारत की शर्तों पर पाकिस्तान घुटनो पर आकर सीजफायर किया है। इसका मंडल स्वागत करता है। भारतीय सेना ने जिस प्रकार पाकिस्तान में घुसकर नौ आतंकवादी ठिकानों पर बर्बाद किया है और पाकिस्तान द्वारा किए गए कायराना हमलों को विफल कर देशवासियों रक्षा की है । भारतीय सेना द्वारा किए गए साहसिक पराक्रम को समस्त मंडल सदस्यों द्वारा गर्व महसूस करके अपनी शुभकामनाएं एवं बधाइयां भारतीय सेना को देता हैं । मंडल सदस्यों द्वारा मंडल कार्यालय गोविंद गार्डन रायसेन रोड पर आतिशबाजी की मिठाई बाटी एवं भारत माता की जय के नारे लगाए गए भारतीय सेना को बधाई देने वालों में सचिव रिंकू भटेजा, सचिन सेवारवानी, राजकुमार शर्मा, गुड्डू अग्रवाल, अवनीश यादव ,प्रदीप सोनी, गजेंद्र ठाकुर, उमेश अग्रवाल, भारत रामचंदानी, धीरज बाथम, सूरज मालवीय राकेश, ठाकुर योगेश, नंदू चौरसिया, योगेश श्रीवास्तव, शफीक भाई श्रीवास्तव, सत्यनारायण अग्रवाल, मनीष पवासे, बृजेश पाठक, कपिल ग्वाला, सचिन आर्य, मुकेश रैकवार, प्रकाश पाटिल मंडल की महिला शाखा के अध्यक्ष दिव्या बोहरा आदि मंडल सदस्य हैं।

एक शाम यादों के नाम

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

ऐ जातें हुए लम्हों ज़रा ठहरो, बीते हुए लम्हों की कसक साथ तो होगी -- आदि गीतों से गूंज रहा था आडिटोरियम में मौका था कैरियर कॉलेज, आटोनोमस भोपाल के वाणिज्य और प्रबंधन विभागों के निवर्तमान छात्रों की विदाई समारोह का कार्यक्रम भावनाओं, यादों और जीवंत प्रदर्शनों से भरा हुआ था क्योंकि जूनियर अपने वरिष्ठों को स्नेहपूर्वक अलविदा कह रहे थे, शाम का मुख्य आकर्षण शीर्षक समारोह था जहाँ उत्कृष्ट छात्रों को उनके करिश्मे और समग्र व्यक्तित्व के लिए सम्मानित किया गया। हर्ष भगत को मिस्टर कैरियर का ताज पहनाया गया, और अनीशा मिश्रा को उनकी असाधारण उपस्थिति और योगदान के लिए मिस कैरियर के रूप में सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, मिस्टर ईव का खिताब सार्थक शोले को और मिस ईव का खिताब स्नेहा दुबे को दिया गया, जिससे शाम और भी यादगार बन गई। कार्यक्रम का समापन भावपूर्ण भाषणों, संगीत, नृत्य और कॉलेज जीवन के दौरान बनाए गए बंधनों को संजोने के वादे के साथ हुआ।

मंत्री गौतम टेटवाल ने झाड़ू थामकर किया स्वच्छता का संदेश, सेना का किया उत्साहवर्धन

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल ने शनिवार सुबह एक अनोखी मिसाल पेश करते हुए सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र में स्वयं झाड़ू उठाई और नगर निगम कर्मचारियों के साथ सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" के नारों के साथ वातावरण को देशभक्ति से भर दिया।मॉर्निंग वॉक के दौरान मंत्री टेटवाल ने हाथ में झाड़ू थामकर स्वच्छता का संदेश दिया और कहा, "पर्यावरण को स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी स्वच्छ भारत अभियान को विशेष महत्व दे रहे हैं। इस दौरान सफाईकर्मियों ने भी जोश और गर्व के साथ भारत माता की जय के नारे लगाए। मंत्री ने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने-अपने स्थान से भारतीय सेना के उत्साहवर्धन में भाग लें और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें।उन्होंने कहा, "जहां हैं, वहीं से देश और सेना के लिए कुछ करिए। यही असली देशभक्ति है।इस दौरान डॉ दीपक जोशी,लखन मंडल,सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

आज होगा फूल माली समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 9 जोड़े बंधेंगे विवाह बंधन में

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

सकल पंच फूल माली समाज के तत्वाधान में रविवार को बागकुआ टंकी स्थित पुष्प वाटिका समाज की धर्मशाला में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसकी तैयारी को लेकर शनिवार को सम्मेलन स्थल पर समाज अध्यक्ष शिवनारायण पुष्पद के मुख्य अतिथ्य में सम्मेलन अध्यक्ष अमित पुष्पद द्वारा धर्म ध्वजारोहण किया गया सम्मेलन अध्यक्ष अमित पुष्पद सुहानी ने बताया कि आज रविवार को होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज के 9 जोड़े शामिल होंगे। विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वर वधुओं का विवाह संपन्न कराया जाएगा

सम्मेलन स्थल पर व वधुओं के आवास भोजन पांडाल तथा मंच सहित अन्य व्यवस्थाओं को पूरा किया जा रहा है सम्मेलन समिति द्वारा सभी समाज बंधुओ से सम्मेलन में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की इस दौरान किडी पंचायत अध्यक्ष प्रेम नारायण पुष्पद पूर्व समाज अध्यक्ष रामचरण पुष्पद भेरू दरवाजा पंचायत अध्यक्ष धन सिंह पुष्पद खारिया पंचायत अध्यक्ष रवि पुष्पद बागकुआ टंकी पंचायत अध्यक्ष कैलाश वर्मा मुकेरवाड़ी पंचायत कार्यकारी अध्यक्ष राजेश पुष्पद पछेटवाडी पंचायत अध्यक्ष कैलाश पुष्पद भगत समाज सचिव गोरीलाल बंसीलाल पुष्पद वैभव पुष्पद राजु पुष्पद रामनारायण पुष्पद मांगीलाल पुष्पद विनोद पुष्पद अंकित पुष्पद सहित अन्य समाज जन उपस्थित थे।

विश्व कल्याण के लिए वैश्विक स्तर पर लाखों घरों में एक साथ गायत्री यज्ञ होगा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

विश्व कल्याण के लिए वैश्विक स्तर पर लाखों घरों में एक साथ गायत्री यज्ञ अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 12 मई बुद्ध पूर्णिमा को 8 से 12:30 तक विश्व में एक साथ एक समय पर लाखों घरों में गृहे गृहे गायत्री यज्ञ एवं उपासना अभियान,के अंतर्गत होगा भोपाल जिला समन्वय श्री श्याम शर्मा ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में बुद्ध पूर्णिमा सोमवार यज्ञ दिवस पर गृहे गृहे गायत्री यज्ञ एवं उपासना अभियान। के माध्यम से विश्व के 98 देश में एक साथ लाखों घरों में एवं भोपाल शहर के सभी 85 वार्डो, तहसीलों, ग्रामीण क्षेत्र में भी हजारों घर घर में यज्ञ संपन्न होगा। उन्होंने समस्त आत्मीय जनों से विनम्र अनुरोध एवं

दिशानिर्देश दिये स्थानीय स्तर पर शांतिकुंज के अनुरूप यज्ञ संपन्न कराने की व्यवस्था करना। आसपास के लोगों, मित्रों, संबंधियों और सामाजिक संस्थाओं को शामिल करना। इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और प्रत्येक घर में संपन्न कराने का प्रयास करना। वृक्ष गंगा अभियान की अंतर्गत वृक्षारोपण का संकल्प करना । व्यसनमुक्ती समाज हेतु वेतन का संकल्प । देव स्थापना, देव परिवार निर्माण का पंजीयन करना। इस आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण शोधन, राष्ट्र को सबल सशक्त,सामाजिक समरसता,आध्यात्मिक एकता एवं देश की सेना का मनोबल बढ़ाने,राष्ट्र को सुरक्षित एवं शांति स्थापना ओर आतंकवाद को समूल रूप से खत्म कर सभ्य समाज की स्थापना । मनुष्य में देवत्व का उदय ओर धरती पर स्वर्ग के अवतरण की गायत्री परिवार की परिकल्पना को साकार करना है। इस महायज्ञ में गायत्री मंत्र ,महामृत्युंजय मंत्र के साथ में विशेष सैन्यशक्ति संवर्द्धनार्थम आहुतिः भी दी जाएगी। रमेश नागर ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार समस्त आमजन से अपील करता है कि इस महा अभियान में सहभागी वन देश को सबल सशक्त समृद्ध के साथ सर्वे भवंतु सुखीना, सर्वे संतु निरामया। की भावना के साथ अपनी आहुति इस महायज्ञ में अवश्य प्रदान कर पुण्य के सहभागी वने।

- गायत्री एवं यज्ञ हमारी संस्कृति के माता-पिता हैं।
- यज्ञ हमें त्यागमय जीवन जीने का ढंग सिखाता है, तो गायत्री हमें जीने का लक्ष्य दिखाती है।
- **अयं यज्ञो विश्वस्य भुवनस्य नाभिः** यज्ञ संसार का नाभि केन्द्र है।
- **यज्ञो कल्याण हेतवः** - यज्ञ कल्याण करने का हेतु साधन है।
- **यज्ञोऽयं सर्वकामधुक्** - यज्ञ समस्त कामनाओं को पूर्ण करता है। आदि वेद वाक्य यज्ञ की गरिमा का बोध कराते हैं।

यज्ञ के अनेक लाभ हैं-

- यह यज्ञ समस्त कामनाओं को पूर्ण करने वाला है।
- **यज्ञो वै श्रेष्ठतमं कर्म** (यह ही संसार का सर्वश्रेष्ठ शुभकर्म है)
- यज्ञ में आहूत पदार्थ सूक्ष्मीकृत होकर सर्वत्र लाभ पहुँचाता है।
- यज्ञ पर्यावरण को शुद्ध करता है।
- यज्ञ धूम्र वायुमण्डल को सुगन्धि एवं पुष्टि प्रदान कर पर्जन्य वर्षा कराता है।
- यज्ञ वातावरण में विद्यमान रोग-कीटाणुओं का नाश करता है और स्वास्थ्य प्रदान करता है।
- यज्ञ उपचार की प्राचीनतम पद्धति है जिसमें रोगानुसार वनौषधियों का प्रयोग होता है।
- यज्ञ द्वारा ही देवताओं को भोग लगाया जाता है, उन्हें प्रसन्न किया जा सकता है।
- यज्ञ अग्नि मंत्र की शक्ति और व्यक्तित्व का चुम्बकत्व मिलकर एक शक्तिशाली तंत्र बनाते हैं।
- जहाँ नियमित यज्ञ होते हैं वह स्थान पवित्र व संस्कारवान् स्थान बन जाते हैं।
- यज्ञ से घरों में सुसंस्कारिता का वातावरण निर्मित होता है।

आखिरकार हुआ करार!

द्विपक्षीय निवेश संधि पर अभी सहमति नहीं बनी है। कार्बन टैक्स का मसला भी बरकरार है। इस लिहाज से भारत और ब्रिटेन के बीच जिस मुक्त व्यापार समझौते का लक्ष्य रखा गया है, उसे अभी पूरा हासिल नहीं किया जा सका है। भारत और ब्रिटेन के बीच आखिरकार मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है। अभी पिछले हफ्ते तक इसको लेकर उम्मीद मद्धम थी। लेकिन ऐसे संकेत हैं कि डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर से बनी विश्व अस्थिरता ने खासकर ब्रिटेन को यह समझौता जल्द करने के लिए प्रेरित किया। ब्रेग्जिट के बाद से ब्रिटेन नए बाजारों की तलाश में रहा है, जिसमें इस करार के पहले तक उसे ज्यादा कामयाबी नहीं मिली थी। ब्रेग्जिट के साथ यूरोपियन यूनियन का बड़ा बाजार ब्रिटेन की मुक्त पहुंच से बाहर हो गया था। उसके बाद से ब्रिटिश अर्थव्यवस्था डांवाडोल है। इधर भारत भी अपने उत्पादों और अपने सेवा क्षेत्र के लिए नए बाजारों की तलाश में है। इस करार से अल्कोहल, कॉस्मेटिक्स, चॉकलेट, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बिस्किट आदि ब्रिटिश उत्पादों पर भारत में आयात शुल्क में भारी कटौती होगी, जिससे उनका यहां बाजार बढ़ने की आशा है। उधर भारत के वस्त्र, जूता-चप्पल और खाद्य उत्पादों के लिए ब्रिटिश बाजार में अनुकूल स्थितियां बनेंगी। हालांकि ब्रिटेन अपनी आव्रजन नीति में बदलाव के लिए राजी नहीं हुआ है, फिर भी भारतीय पेशेवरकर्मियों के लिए वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने पर वह सहमत हुआ है। इसके तहत भारत के रसोइयों, संगीतकारों और योग प्रशिक्षकों के लिए हर साल 1,800 वीजा वह देगा। मगर द्विपक्षीय निवेश संधि पर अभी सहमति नहीं बन सकी है। इसी तरह कार्बन टैक्स का विवादास्पद मसला जस का तस बरकरार है। इन मसलों पर बातचीत जारी रखने का संकल्प जताया गया है। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि पहले जिस मुक्त व्यापार समझौते का लक्ष्य रखा गया था, उसे अभी पूरा हासिल नहीं किया जा सका है। इस बीच जहां तक सहमतियां थीं, वहां तक फिलहाल व्यापार के दरवाजे खोलने पर दोनों देश राजी हुए हैं। उम्मीद की जा सकती है कि इससे भरोसे का माहौल मजबूत होगा। व्यापार समझौतों में कई तरह के हित जुड़े होते हैं। हर पक्ष को उनका ख्याल रखना होता है। इसीलिए भारत-ब्रिटेन के बीच ये समझौता कम से कम तीन साल से टल रहा था। अब यह सुनिश्चित करना होगा कि इस पर अमल का तजुर्बा अच्छा रहे।

आतंक का साया हटे!

आतंक के साये से मुक्ति मिले, यह भारतीय जन मानस की अपेक्षा है। आशा है कि ताजा सैन्य कार्रवाई इस आकांक्षा की पूर्ति तक जारी रहेगी और अब शुरू हुई कार्रवाई सचमुच आर-पार की साबित होगी। दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की दंश झेल रहे भारत ने अब 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए सशक्त संदेश भेजा है। पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तानी पंजाब में कई ठिकानों पर हमला कर दहशतगर्दियों और उनके संरक्षकों को दो टूक बताया गया है कि भारतीयों के खून बहाने की महंगी कीमत उनको चुकानी पड़ेगी। अब अपेक्षित यह है कि ये कार्रवाई सिर्फ एक संदेश देने तक सीमित ना रहे। 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में बालाकोट ऑपरेशन के जरिए भारत ने सख्त पैगाम दिए थे, लेकिन उनसे सीमा पार स्थित आतंकवादी ढांचों को खत्म नहीं किया जा सका। बेशक, इस बार की कार्रवाई उनसे बड़ी है और उससे पाकिस्तान में नुकसान भी ज्यादा हुआ है। अब जरूरत इसके जरिए इतना गहरा असर छोड़ने की है कि आतंकवाद के संचालक अपनी गतिविधियां स्थायी रूप से रोकने के लिए मजबूर हो सकें। यह संभव है कि मंगलवार रात हुए हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के प्रयास तेज हों और भारत पर कार्रवाई रोकने के लिए दबाव डाला जाए। इसलिए यह भारतीय कूटनीति की परीक्षा का भी वक्त है। यह अच्छी बात है कि मंगलवार रात अपनी सीमा में रहते हुए पाकिस्तानी ठिकानों पर हमला करने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने अनेक महत्त्वपूर्ण देशों से संपर्क कर उन्हें अपनी कार्रवाई के औचित्य के बारे में बताया। भारत को यह संपर्क लगातार बनाए रखना चाहिए। साथ ही देश को चौकस रखने की जरूरत है। पाकिस्तान के अधिकारी लगातार भारतीय कार्रवाई का जवाब देने की बात कर रहे हैं। भारतीय सेनाएं निश्चित रूप से ऐसी किसी कार्रवाई को सफल ना होने के लिए सतर्क होंगी। पाकिस्तान स्थित आतंकवाद के संरक्षकों को सबक सिखाने के मुद्दे पर पूरा भारत एकमत है। तमाम राजनीतिक दलों ने जिस तरह एक स्वर से भारतीय सेना की कार्रवाई का समर्थन किया है, वह उत्साहवर्धक है। आम जन का भी पूरा समर्थन भारतीय सेना के साथ है। असल में आतंक के साये से मुक्ति मिले, यह भारतीय जन मानस की अपेक्षा है। आशा है, कि ये कार्रवाई इस आकांक्षा की पूर्ति का लक्ष्य पूरा करने तक जारी रहेगी और अब शुरू हुई कार्रवाई सचमुच आर-पार की साबित होगी।

स्टारलिंक को हरी झंडी!

व्यापार वार्ताओं में डॉनल्ड ट्रंप का मकसद अपने देश की कंपनियों के लिए अनुकूल स्थितियां बनाना है। इसीलिए पिछले फरवरी से स्पेस-एक्स के पक्ष में भारत में अचानक बनते गए माहौल को ट्रंप के ट्रेड वॉर के संदर्भ में देखा गया है। जमीन तो पहले ही तैयार कर ली गई थी। अब औपचारिकता भी पूरी हो गई है। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और इस समय अमेरिकी प्रशासन में खास रसूख रख रहे इलॉन मस्क की कंपनी स्पेस-एक्स की उपग्रह इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को भारत में विनियमन संबंधी मंजूरी दे दी गई है। स्पेस-एक्स ने इसके लिए तीन साल पहले अर्जी दी थी। उसे मंजूरी इस समय मिली है, जब भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता चल रही है। ये साफ हो चुका है कि विभिन्न देशों के साथ जारी ऐसी व्यापार वार्ताओं में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का मकसद अपने देश की कंपनियों के लिए अनुकूल स्थितियां बनाना है। इसीलिए पिछले फरवरी से स्पेस-एक्स के पक्ष में भारत में अचानक बनते गए माहौल को ट्रंप के ट्रेड वॉर के संदर्भ में देखा गया है। इसके पहले स्पेस-एक्स का रिलायंस जिओ और भारती एयरटेल के साथ टकराव की खबरें आम थीं। दोनों भारतीय कंपनियां उपग्रह इंटरनेट सेवा के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी पर जोर दे रही थीं, जबकि इलॉन मस्क का दबाव था कि उन्हें इसका आवंटन प्रशासनिक फैसले के जरिए किया जाए। 2-जी स्पेक्ट्रम मामले में दिए अपने निर्णय

में सुप्रीम कोर्ट ने स्पेक्ट्रम जैसे सार्वजनिक संसाधन के मनमाने आवंटन पर रोक लगा दी थी। इसलिए इस विवाद में जियो और एयरटेल का पलड़ा भारी नजर आता था। मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी में हुई अमेरिका यात्रा के तुरंत बाद उन दोनों कंपनियों ने खुद स्पेस-एक्स से करार कर भारत में उसकी सेवा विक्रेता बनने का एलान कर दिया। इस आश्चर्यजनक घटनाक्रम के साथ ही स्टारलिंक के भारत आने की राह निर्बाध हो गई। उसके बाद गेंद भारत सरकार के पाले में थी। कुछ रोज पहले दूरसंचार विभाग ने उपग्रह संचार कंपनियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। उसके बाद स्टारलिंक को जरूरी सरकारी मंजूरी प्रदान कर दी गई है। ये सब दोहराना जरूरी इसलिए है, क्योंकि ये घटनाक्रम भारतीय बाजार में कथित मुक्त प्रतिस्पर्धा के दावों पर गंभीर सवाल है। यह क्रोनी कैपिटलिज्म के जरिए मोनोपॉली घरानों के अनुकूल नीतियां बनने के आरोपों को बल प्रदान करता है।

कितनी पिघलेगी बर्फ!

सीधी बातचीत के लिए दोनों पक्षों का राजी होना महत्त्वपूर्ण है। डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से दुनिया में व्यापार अस्थिरता का माहौल है। इसका सबसे बड़ा पहलू इन दोनों आर्थिक महाशक्तियों के बीच छिड़ा व्यापार युद्ध है। लंबे ना-नुकुर के बाद आखिरकार अमेरिका और चीन सीधी व्यापार वार्ता पर राजी हुए हैं। शनिवार को जिनेवा में अमेरिका के वाणिज्य मंत्री स्कॉट बेसेंट और मुख्य व्यापार वार्ताकार जेमिसन ग्रीयर की चीन के उप प्रधानमंत्री हे लीफेंग के साथ बातचीत होगी। वार्ता की पहल किसने की, इसको लेकर दोनों पक्षों के अलग-अलग दावे हैं। सार्वजनिक बयानों में खासकर चीन का रुख अभी भी सख्त है। इसके बावजूद, भले ही तटस्थ स्थल पर लेकिन, सीधी बातचीत के लिए दोनों पक्षों का राजी होना महत्त्वपूर्ण है। डॉनल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से दुनिया में व्यापार

अस्थिरता के बने माहौल का सबसे बड़ा पहलू इन दोनों आर्थिक महाशक्तियों के बीच छिड़ा व्यापार युद्ध है। वैसे चीन इसे सिर्फ व्यापार युद्ध नहीं मानता। उसके अधिकारी ट्रंप के कदमों को उस बड़े भू-राजनीतिक टकराव का हिस्सा मानते हैं, जिसकी परस्पर विरोधी दो धुरियों पर ये दोनों देश मौजूद हैं। चीन की राय में दोनों देशों के भू-राजनीतिक हित इतने अंतर्विरोध हो चुके हैं कि उन्हें सिर्फ आयात शुल्क में छूट से दूर करना नामुमकिन लगता है। संभवतः इसीलिए जिनेवा वार्ता तय होने के बावजूद बुधवार को चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए दूरगामी महत्त्व के मौद्रिक उपायों की घोषणा की। इससे संदेश गया कि चीन का नेतृत्व जिनेवा वार्ता को लेकर बहुत आशान्वित नहीं है। लेकिन बाकी दुनिया इस घटनाक्रम को अलग नजरिए से देखती है। उसकी निगाह में दोनों बड़ी ताकतों के बीच बातचीत शुरू होना ही महत्त्वपूर्ण है। सिर्फ इसकी खबर भर से माहौल में तनाव घटा है। उसका अच्छा असर वित्तीय बाजारों में देखने को मिला है। ऐसी आशंकाएं आम रही हैं कि अमेरिका और चीन के बीच अलगाव से विश्व बाजार में खेमेबंदी तथा तकनीकी मानदंडों में विभाजन की स्थितियां गंभीर होती जाएंगी। इसका नुकसान चीन और अमेरिका सहित हर देश को होगा। इसीलिए जिनेवा वार्ता पर सबकी निगाहें टिकी होंगी। दोनों देशों के बीच जैसे दांव- प्रतिदांव हाल में दिखे हैं, उनसे दोनों के रिश्तों में अत्यधिक ठंडापन आया हुआ है। अब आमने-सामने बातचीत से ये बर्फ कितनी पिघलती है, दुनिया की नजर उस पर होगी।

यह आतंकवाद पर गहरी चोट!

बाईस अप्रैल की बर्बर घटना के जवाब में भारत ने 6-7 मई 2025 की आधी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसने आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को फिर दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया। विपक्षी पार्टियों समेत पूरे विश्व की निगाहें भारतीय सरकार पर थीं कि वो इस आतंकी हमले का कब और क्या जवाब देंगे? बाईस अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले ने देश को झकझोर दिया था। इस हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक सहित 26 लोगों की जान चली गई, जबकि 17 अन्य घायल हुए। आतंकियों ने पर्यटकों से उनकी धार्मिक पहचान पूछकर निशाना बनाया, जिससे देश में आक्रोश की लहर दौड़ गई। भारत ने इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों, जैसे लश्कर-ए-तैयबा और द रेसिस्टेंस फ्रंट (TRF), पर डाली। उस बर्बर घटना के जवाब में भारत ने 6-7 मई 2025 की आधी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसने आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को एक बार फिर दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया। विपक्षी पार्टियों समेत पूरे विश्व की निगाहें भारतीय सरकार पर थीं कि वो इस आतंकी हमले का कब और क्या जवाब देंगे? राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की देखरेख में अंजाम दिया गया। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए। ये हमले बहावलपुर, कोटली, मुजफ्फराबाद, मुरिदके और कराची जैसे क्षेत्रों में किए गए, जहां जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के ठिकाने थे। भारतीय सेना ने 24 मिसाइलों का इस्तेमाल किया,

जिसमें ब्रह्मोस और स्कैल्प मिसाइलें शामिल थीं, और करीब 70 से 100 आतंकियों को मार गिराया गया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि यह ऑपरेशन पूरी तरह से आतंकी ढांचों को नष्ट करने के उद्देश्य से था, और इसमें किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया। भारत ने लक्ष्य चयन और हमले के तरीकों में अत्यधिक संयम बरता, ताकि तनाव को बढ़ाने से बचा जा सके। बीते मंगलवार को यह हमला रात 1:44 बजे शुरू हुआ और भारतीय सुखोई-30 और राफेल फाइटर जेट ने प्रिसिजन स्ट्राइक वेपंस और लॉइटरिंग म्यूनिशन का इस्तेमाल किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम अपने आप में एक शक्तिशाली सांस्कृतिक और भावनात्मक संदेश देता है। पहलगाम हमले में कई नवविवाहित जोड़ों की जान गई, जिससे कई महिलाओं का सुहाग उजड़ गया। भारतीय संस्कृति में सिंदूर विवाहित महिलाओं के लिए पति की लंबी उम्र और सौभाग्य का प्रतीक है। इस हमले ने न केवल निर्दोष लोगों की जान ली, बल्कि कई परिवारों को भावनात्मक रूप से तोड़ दिया। इसलिए, इस ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' रखकर भारत ने न केवल पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी, बल्कि यह भी संदेश दिया कि अब हर सुहाग को महफूज रखा जाएगा। इस नाम का सुझाव खुद पीएम मोदी ने दिया था, जो इस ऑपरेशन के प्रतीकात्मक महत्व को दर्शाता है। वहीं पाकिस्तान ने इस हमले को अपनी संप्रभुता पर हमला करार दिया है और इसे "कायराना" बताया। पाकिस्तान की इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान अपने चुने हुए समय और स्थान पर इसका जवाब देगा। पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया कि हमले में एक बच्चे की मौत हुई और दो लोग घायल हुए, लेकिन भारत ने स्पष्ट किया कि केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इस हमले की निंदा की और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी। भारत सरकार ने सभी सीमावर्ती राज्यों में 'मॉक ड्रिल' की शुरुआत कर दी है। इससे आम जनता को आपात राष्ट्रीय स्तर पर, भारत ने अपनी कार्रवाई को जिम्मेदार और नियंत्रित बताया। भारत ने स्पष्ट किया कि यह आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई थी, न कि पाकिस्तान के साथ युद्ध की शुरुआत। उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने त्वरित कदम उठाए, जिसे पाकिस्तान ने "युद्ध की कार्रवाई" करार दिया। केवल 15 दिनों में भारत ने खुफिया जानकारी एकत्र की और 'ऑपरेशन सिंदूर' की रणनीति तैयार की। 6 मई की देर रात, जब पाकिस्तान सो रहा था, भारत ने ऑपरेशन शुरू किया। यह हमला इतना गोपनीय था कि केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही इसकी जानकारी थी। गौरतलब है कि जिस तरह अमरीका ने विदेशी धरती पर आतंकी ओसामा बिन लादेन का खात्मा एक सोची समझी रणनीति के तहत किया था, भारत ने भी 'ऑपरेशन सिंदूर' को उसी ढंग से अंजाम दिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' को देश भर में व्यापक समर्थन मिला। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस कार्रवाई की सराहना की। सोशल मीडिया पर 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' जैसे नारे ट्रेंड करने लगे। यह ऑपरेशन पहलगाम हमले का सटीक जवाब था, जिसने आतंकी नेटवर्क को करारा झटका दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' न केवल एक सैन्य कार्रवाई थी, बल्कि यह भारत की आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ प्रतिबद्धता और रणनीतिक ताकत का प्रतीक था। इसने दुनिया को दिखाया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यह ऑपरेशन उन मासूमों के खून का बदला था, जिन्होंने पहलगाम में अपनी जान गंवाई।

भारत को सतर्क रहने की जरुरत!

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भारत ने बदला ले लिया। पाकिस्तान की सरजमीं पर स्थित आतंकवादी संगठनों पर भारत ने एयर स्ट्राइक किया और आतंकवाद के ढांचे को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। इससे पहले भारत ने पहलगाम हमले के बाद पूरा संयम दिखाया और पाकिस्तान को मौका दिया कि वह आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करे। अमेरिका ने भी पाकिस्तान को सुझाव दिया था कि वह भारत के साथ मिल कर आतंकवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करे और पहलगाम के दोषियों को सजा दिलाने में मदद करे। लेकिन जब पाकिस्तान ने कुछ नहीं किया और उलटे उसके मंत्रियों ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान तीन दशक से आतंकवाद को पाल पोस रहा है तो भारत ने एयर स्ट्राइक करके आतंकवाद के ढांचे को नष्ट किया। लेकिन भारत की इस सैन्य कार्रवाई को पाकिस्तान 'एक्ट ऑफ वॉर' यानी युद्ध की कार्रवाई बता रहा है और उसके नेता बदला लेने का हुंकारा मार रहे हैं। भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान सीमा पर खास कर कुपवाड़ा और राजौरी-पुंछ सेक्टर में लगातार गोलीबारी कर रहा है। युद्धविराम का उल्लंघन करके हो रही फायरिंग में कम से कम 15 बेकसूर नागरिकों के मारे जाने की खबर है, जिनमें चार मासूम बच्चे भी हैं। भारत सरकार सीमावर्ती जिलों को खाली करा रही है और नागरिकों को बंकर में सुरक्षित किया जा रहा है। लेकिन यह तात्कालिक समस्या है। भारत अपने उपाय करके नागरिकों को सुरक्षित कर लेगा और भारतीय सेना पाकिस्तान का मुंहतोड़ जवाब भी देगी। लेकिन असली समस्या पाकिस्तान की नीयत और उसे मिलने वाले अंतरराष्ट्रीय समर्थन को लेकर है। पाकिस्तान के फौजी कमांडर बहुत आक्रामक हैं। कुछ दिन पहले ही सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने हिंदू और मुस्लिम को लिए दो राष्ट्र के सिद्धांत की बात कही थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी आक्रामक तेवर दिखा रहे हैं क्योंकि उनकी सरकार पर खतरा मंडरा रहा है। भारत की कार्रवाई के बाद उन्होंने बैठक बुलाई तो कई वरिष्ठ मंत्री उसमें नहीं पहुंचे। दूसरी ओर पाकिस्तान के लोग सड़कों पर उतरे हैं और भारत विरोधी नारे लगा रहे हैं। अपनी राजनीतिक सत्ता सुरक्षित रखने और पाकिस्तानी आवाम का गुस्सा ठंडा करने के लिए पाकिस्तान कोई बड़ा कदम उठा सकता है। इसमें

संदेह नहीं है कि भारत के खिलाफ उठाया गया उसका कोई भी कदम उसके लिए आत्मघाती हो सकता है। फिर भी पाकिस्तान के हुक्मरान, फौजी कमांडर और आईएसआई को इसकी चिंता नहीं रहती है। भारत के सावधान रहने की जरुरत इसलिए भी है क्योंकि चीन और तुर्की ने खुल कर पाकिस्तान का समर्थन किया है। इसके बरक्स भारत को सिर्फ इजराइल का खुला समर्थन मिला है। उसके अलावा किसी देश ने भारत के कदम की आलोचना नहीं की है तो उसे जायज भी नहीं ठहराया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो अपनी पहली प्रतिक्रिया में भारत की सैन्य कार्रवाई को 'शर्मनाक' कहा। सोचें, इसमें क्या शर्मनाक है? भारत में घुस कर पाकिस्तान के आतंकवादियों ने 26 बेकसूर लोगों की हत्या की थी और जवाबी कार्रवाई में भारत ने आतंकवादियों के ठिकाने नष्ट किए। इसमें कुछ भी शर्मनाक नहीं है। लेकिन ट्रंप को यह 'शर्मनाक' लगता है, जिनका देश अमेरिका अपनी सरजमीं छोड़ कर सारी दुनिया में जंग लड़ रहा है! इतना ही नहीं ट्रंप ने एक ही सांस में भारत और पाकिस्तान दोनों को अपना दोस्त और साझेदार मुल्क बताया। भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन्हें अपना दोस्त मानते हैं वे भी मदद करने की बजाय उपदेश देने की मुद्रा में हैं और सलाह दे रहे हैं कि जितनी जल्दी हो उतनी जल्दी तनाव खत्म करें। दूसरी ओर चीन और तुर्की ने खुल कर भारत की आलोचना की और पाकिस्तान का समर्थन किया। चीन के साथ भारत का पुराना विवाद चल रहा है। 2020 में गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई हिंसक झड़प और भारत की जमीन कब्जा करने का मामला अभी पूरी तरह से सुलझा नहीं है। पैंगोंग झील और देपसांग के कुछ इलाकों में भारत और चीन के बीच सैनिक गश्त को लेकर कुछ सहमति बनी है लेकिन ज्यादातर मामले अनसुलझे हैं। लद्दाख के अलावा डोकलाम में चीन ने भारत की जमीन कब्जा की हुई है। साथ ही वह पूर्वोत्तर के बड़े इलाके पर नजर गड़ाए हुए है। भारत की सीमा पर चीन और पाकिस्तान का साझा हित है क्योंकि दोनों भारत की जमीन कब्जा करके बैठे हैं और कुछ अन्य हिस्सों पर कब्जा करने की नीयत रखते हैं। चीन ने पाकिस्तान को अपना ऑल वेदर फ्रेंड यानी सदाबहार दोस्त कहा है। बेल्ड एंड रोड इनिशिएटिव की वजह से चीन बहुत नजदीक से पाकिस्तान के साथ जुड़ा हुआ है। उसका बड़ा आर्थिक हित है, जिसकी वजह से वह पाकिस्तान की मदद करेगा। चीन को इस बात की चिंता भी सता रही है कि कोरोना के बाद से कंपनियां उसके यहां से बोरिया बिस्तर समेट रही थीं और अब अमेरिका की ओर से लगाए गए जैसे को तैसा टैरिफ की वजह से ज्यादा कंपनियां देश छोड़ेंगी। इनमें से कुछ कंपनियां भारत आ सकती हैं। लेकिन अगर भारत की सीमाओं पर अशांति बनी रहती है, युद्ध की आशंका मंडराती रहती है तो कंपनियां भारत का रुख करने का बारे में सौ बार सोचेंगी। इसलिए संभव है कि चीन पाकिस्तान को मदद देकर उकसाता रहे और भारत विरोधी गतिविधियों के लिए प्रेरित करे। इसलिए भारत को चीन और पाकिस्तान, दो परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसियों के इस गठजोड़ से सावधान रहने की जरुरत है। उधर तुर्की ने भी पाकिस्तान को समर्थन दिया है और अपना जलपोत उसकी मदद के लिए भेजा है। ध्यान रहे तुर्की से भारत की कोई दुश्मनी नहीं है, बल्कि फरवरी 2023 में तुर्की में भीषण भूकंप आने पर भारत ने 'ऑपरेशन दोस्त' के नाम से राहत और बचाव अभियान चलाया था। भारत ने बड़ी मदद भेजी थी। लेकिन चूंकि तुर्की को इस्लामिक देशों का सिरमौर बनना है इसलिए वह भारत के खिलाफ पाकिस्तान की मदद कर रहा है। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया के इस्लामिक देशों में तुर्की एक ऐसा देश है, जिसके पास तेल नहीं है। उसकी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर निर्भर है। वह पश्चिम एशिया के बाकी देशों के मुकाबले कमजोर आर्थिकी वाला देश है तो इधर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कंगाली वाली ही है। दोनों देश मिल कर अपनी ताकत बना सकते हैं। इसलिए तुर्की ने पाकिस्तान की मदद की है। यह भी ध्यान रखने की बात है कि तुर्की नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन यानी नाटो का सदस्य देश है। इस नाते उसका महत्व ज्यादा है। सो, पाकिस्तान के साथ चीन और तुर्की का गठजोड़ भारत के लिए चिंता का कारण है। चीन हमेशा पाकिस्तान को सैन्य व कूटनीतिक मदद देता रहता है। संयुक्त राष्ट्र संघ में चीन के वीटो की वजह से पाकिस्तान के आतंकवादियों को राहत मिलती रहती है। उन पर प्रतिबंध नहीं लग पाता है। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद चीन और पाकिस्तान का वहां दखल बढ़ा है। चीन की खुफिया एजेंसी आईएसआई के बारे में खबर है कि वह बांग्लादेश की सरजमीं से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहा है। इसमें संदेह नहीं है कि भारत की सेना बहुत मजबूत है, अर्थव्यवस्था भी ठीक ठाक स्थिति में है और विश्व समुदाय में भारत को लेकर अच्छी धारणा है। परंतु चुनौतियां भी चौतरफा हैं। इसलिए भारत को अपनी सामरिक व आर्थिक मजबूती के साथ साथ कूटनीतिक ताकत बढ़ाने की जरुरत है। दुनिया का कौन देश सदाबहार दोस्त हो सकता है और उसके साथ कैसे संबंध भारत को पड़ोसी देशों की चुनौती से निपटने में मददगार हो सकते हैं, उस पर भारत को काम करना चाहिए।

भारत पर पाकिस्तान ने दागी थी कौन सी हाइपरसोनिक मिसाइल बुरी तरह नाकाम हुआ हमला, दुनिया में फजीहत

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने संघर्षविराम के पहले दावा किया था कि उसने भारत के एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाकर हाइपरसोनिक मिसाइल दागी थी। उसने दावे में यहां तक कहा था कि उसके हाइपरसोनिक मिसाइल के हमले में भारत का S-400 मिसाइल सिस्टम तबाह हो गया है। हालांकि, भारत ने पाकिस्तान के इस दावे की पोल खोल दी और कहा कि भारत के एस-400 समेत किसी भी एयर डिफेंस सिस्टम को नुकसान नहीं पहुंचा है। ऐसे में सवाल उठता है कि पाकिस्तान ने भारत पर कौन की हाइपरसोनिक मिसाइल दागी थी। भारत की प्रेस ब्रीफिंग में विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा, "पाकिस्तान ने लगातार दुर्भावनापूर्ण गलत सूचना अभियान चलाने का प्रयास किया है, जिसमें आदमपुर में भारतीय एस-400 सिस्टम को नष्ट करने, सूरतगढ़ और सिरसा में एयरफील्ड्स को नष्ट करने, नगरोटा में ब्रह्मोस बेस, देहरांग्यारी में आरटी गन पोजिशन और चंडीगढ़ फॉरवर्ड एम्युनिशन डिपो को नष्ट करने के साथ-साथ अन्य सैन्य स्टेशनों को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया जा रहा है। भारत, पाकिस्तान द्वारा फैलाई जा रही इन झूठी कहानियों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है।" पाकिस्तान ने भारत पर जिस हाइपरसोनिक मिसाइल को दागने का दावा किया है, उसका नाम CM-400AKG है। पाकिस्तान ने इस मिसाइल को चीन से खरीदा था। इस डील का खुलासा पिछले साल फरवरी में हुआ था। पाकिस्तान ने इस मिसाइल को खासतौर पर अपने जेएफ-17 लड़ाकू विमान के लिए खरीदा था। हालांकि, यह मिसाइल बहुत कीमती है। पाकिस्तान के ऐसे हालात भी नहीं है कि वह इस मिसाइल की ज्यादा संख्या को खरीद सके। CM-400AKG एक चीनी निर्मित सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल है जो पाकिस्तानी वायु सेना की सेवा में है। इसे पाकिस्तान के JF-17 थंडर लड़ाकू विमानों के लिए विकसित किया गया था और उसके साथ एकीकृत किया गया है। इसे स्थिर या धीमी गति से चलने वाले लक्ष्यों के खिलाफ इस्तेमाल के लिए डिज़ाइन किया गया है। मिसाइल को "कैरियर किलर" कहा गया है। एकल-चरण ठोस-ईंधन रॉकेट द्वारा संचालित यह मिसाइल उड़ान के अंतिम चरण के दौरान मैक 4 की गति तक पहुँच सकती है। CM-400AKG में 880-lb (400-kg) का वारहेड होता है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई वार्ता के बाद भारत और पाकिस्तान ''तत्काल और पूर्ण'' संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने साथ ही दावा किया कि ऐसा अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता के कारण संभव हो सका है। अमेरिका की मध्यस्थता से संघर्ष विराम ऐसे समय में हुआ है जब भारत और पाकिस्तान की सेनाओं द्वारा एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा था, जिससे संघर्ष गंभीर रूप से बढ़ गया था।

भारत ने मचाई पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस में तबाही... सैटेलाइट तस्वीरों में दिखा हाल, मुनीर सेना की किरकिरी

एजेंसी इस्लामाबाद

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत शनिवार को पाकिस्तान के कई एयरबेस को निशाना बनाया है। इनमें सरगोधा का एयरबेस भी है। पाक फौज ने कहा है कि एयरबेस को कोई खास नुकसान नहीं है लेकिन सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि सरगोधा स्थित मुशर्रफ एयर बेस पर काफी नुकसान भारत की स्ट्राइक से हुआ है। खुफिया विशेषज्ञ डेमियन साइमन ने सरगोधा बेस की सैटेलाइट तस्वीरें ली हैं। इन तस्वीरों में भारत के हवाई हमलों से बेस के रनवे को हुआ नुकसान दिख रहा है। पाकिस्तान ने भारत में ड्रोन, मिसाइल और लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करते हुए सैन्य और नागरिक संपत्ति को निशाना बनाने की कोशिश की थी। पाकिस्तान ने उधमपुर, पठानकोट, आदमपुर और भुज में एयरफोर्स के ठिकानों पर हमले किए। इसके जवाब में भारत ने शनिवार को पाकिस्तान के आठ सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए। डेमियन साइमन ने लैंडसेट से सरगोधा बेस की तस्वीरें लीं है। यह एक सैटेलाइट है, जो मध्यम रिजॉल्यूशन की तस्वीरें लेता है। साइमन ने ट्वीट कर इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा कि आज सुबह भारत के हवाई हमलों के बाद सरगोधा एयरबेस की तस्वीर ली। रिजॉल्यूशन सीमित है लेकिन फिर भी तस्वीरों से रनवे को संभावित नुकसान का पता चलता है। पाकिस्तान ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में शनिवार को 'ऑपरेशन बुनयान-उन-मारसूस' शुरू किया है। पाक ने इस ऑपरेशन के तहत भारत पर फतेह मिसाइल दागी लेकिन भारतीय सेना ने इसे नाकाम कर दिया। पाकिस्तान ने तनाव कम करने के भी संकेत दिए हैं। पाक विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि अगर भारत सैन्य कार्रवाई रोकता है तो हम भी रुक जाएंगे। शनिवार को अमेरिका और चीन की ओर से सख्त बयान जारी करते हुए भारत और पाकिस्तान से हमले रोकने और तनाव कम करने के लिए कहा गया है। पाक आर्मी चीफ की अमेरिका के विदेश मंत्री से बात भी हुई है। इससे उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में दोनों देशों में आने वाले दिनों में तनाव घट सकता है।

अमेरिका, ईरान, सऊदी अरब, यूएई... भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम में कई देशों ने निभाई भूमिका

एजेंसी इस्लामाबाद

भारत और पाकिस्तान में संघर्षविराम हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुझे भारत और पाकिस्तान में संघर्षविराम का ऐलान करते हुए खुशी हो रही है। इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी बताया कि उन्होंने इस समझौते के लिए कैसे दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क किया, जिसके बाद सहमति बन सकी। हालांकि, इस समझौते के पीछे सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि कई देशों की भूमिका मानी जा रही है। इसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम मुल्क भी शामिल हैं, जिनके भारत के साथ मजबूत संबंध हैं। भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम में सबसे बड़ी भूमिका अमेरिका की रही। अमेरिका ने ही पाकिस्तान पर दबाव बनाकर भारत की शर्तों पर संघर्षविराम को लागू कराया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया, पिछले 48 घंटों में, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और मैंने वरिष्ठ भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ बातचीत की है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर, सेनाध्यक्ष असीम मुनीर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और असीम मलिक शामिल हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारत और पाकिस्तान की सरकारें तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गई हैं तथा तटस्थ स्थल पर व्यापक मुद्दों पर वार्ता शुरू करने पर सहमत हो गई हैं। हम शांति का मार्ग चुनने में प्रधानमंत्री मोदी और शरीफ की बुद्धिमत्ता, विवेक और कूटनीति की सराहना करते हैं।" भारत पाकिस्तान संघर्ष के शुरू होते ही सबसे पहले ईरान ने शांति की पहल की थी। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने संघर्ष की शुरुआत में पहले पाकिस्तान का दौरा किया था। इसके बाद वह भारत-ईरान मैत्री संधि की 75वीं वर्षगांठ पर द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा बैठक के लिए भारत आए थे। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ भारत और पाकिस्तान में शांति की पहल की, बल्कि मध्यस्थता की पेशकश भी की। हालांकि, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस मुलाकात में ईरान से दो टूक कहा कि भारत हालात को बिगाड़ना नहीं चाहता लेकिन अगर हम पर किसी तरह को कोई हमला होता है तो पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देगा। 8 अप्रैल को सऊदी अरब ने विदेश राज्य मंत्री अदेल अल-जुबैर को अचानक भारत भेजा। उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की और उसके बाद पाकिस्तान रवाना हो गए। इस अप्रत्याशित दौरे को दोनों देशों में संघर्षविराम के लिए एक माहौल तैयार करने के कदम के रूप में देखा गया। सऊदी अरब ने बयान जारी कर दोनों देशों में शांति की अपील की थी। सऊदी अरब के संबंध भारत के साथ काफी मजबूत हैं। वहीं, वह पाकिस्तान के सबसे बड़े कर्जदाताओं में से एक है। इन देशों के अलावा यूएई और कतर ने भी शांति की अपील की थी। यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नहयान ने दोनों देशों से शांति,संयम और समझदारी बरतने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को ऐसे किसी भी कदम से बचना चाहिए जो तनाव को और भड़काए। उन्होंने यह भी कहा कि राजनयिक संवाद और शांतिपूर्ण समाधान ही एकमात्र सही रास्ता है। यूएई ने आश्वासन दिया था कि वह अपनी निष्पक्ष विदेश नीति के तहत इस संकट के मानवीय प्रभावों को कम करने में भी मदद करता रहेगा। कतर ने भी बयान जारी कर शांति की अपील की थी।

100 मंजिला इमारत जितनी ऊंचाई, 30 लाख घरों के लिए बिजली... तिब्बत में चीन ने दुनिया के सबसे ऊंचे बांध में पानी भरना शुरू किया

एजेंसी बीजिंग

चीन को अपने महत्वाकांक्षी सुआंगजियांगकोउ हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में एक और बड़ी कामयाबी मिली है। इस बांध में 1 मई से पानी भरना शुरू हो गया है। यह बांध के पूरी तरह शुरू होने की दिशा में एक बड़ा कदम है। दुनिया का सबसे ऊंचा यह बांध चीन के नियंत्रण वाले तिबब्त में है। चीन के इस प्रोजेक्ट की लागत 36 अरब युआन (4.9 अरब अमेरिकी डॉलर) है। इसके बनने की शुरुआत एक दशक पहले हुई थी। अब करीब 10 साल के बाद इसमें पानी भरना शुरू हुआ है। इससे आने वाले कुछ समय में इसके पूरी तरह चालू हो जाने की उम्मीद है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के सबसे ऊंचे इस बांध का इस्तेमाल बिजली बनाने और बाढ़ रोकने के लिए किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में बांध, बिजली उत्पादन प्रणाली और बाढ़ निर्वहन संरचनाएं शामिल हैं। यह बांध दादू नदी पर बन रहा है, जो पूर्वी तिब्बती पठार से सिचुआन बेसिन में बहती है। दुनिया का सबसे ऊंचा बांध बांध पूरी तरह बनकर तैयार होने के बाद 315 मीटर (1,033 फीट) ऊंचा होगा। यह 100 से ज्यादा मंजिलों वाली एक गगनचुंबी इमारत जितना ऊंचा होगा। इससे यह दुनिया का सबसे ऊंचा बांध बन जाएगा। मौजूदा समय में सबसे ऊंचा बांध जिनपिंग-I डैम है लेकिन सुआंगजियांगकोउ हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट इससे 10 मीटर ज्यादा ऊंचा होगा। पावर चाइना ने बताया है कि इसमें पानी भरने का पहला चरण के पूरा होने के बाद जलस्तर 2,344 मीटर पर है। यह नदी के स्तर से 80 मीटर अधिक है। इस बांध की जल भंडारण क्षमता 110 मिलियन क्यूबिक मीटर है। यह हांग्जो प्रांत में वेस्ट लेक की क्षमता का आठ गुना है। कंपनी ने कहा है कि इसकी पहली यूनिट इस साल के अंत तक बिजली पैदा करने लगेगी। कंपनी ने कहा है कि यह बांध पूरी तरह से चालू हो जाएगा तो इसकी स्थापित क्षमता 2,000 मेगावाट होगी। यह बांध हर साल 7 बिलियन किलोवाट-घंटे से अधिक बिजली पैदा करने में सक्षम होगा। इससे 30 लाख से अधिक परिवारों की वार्षिक बिजली जरूरतें पूरी हो सकेंगी। इस प्लांट से पैदा होने वाली बिजली की वजह से देश में 2.96 मिलियन टन कोयले की खपत कम हो जाएगी चीन में कई ऊंचे बांध हैं। 1950 के दशक के बाद से चीन ने 15 मीटर से अधिक ऊंचे 22,000 बांध बनाए हैं। ये बांध बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई और सबसे महत्वपूर्ण, पनबिजली के लिए बनाए गए हैं। यह दुनिया के कुल बांधों की करीब आधी संख्या है। चीन के अधिकांश ऊंचे बांध देश के दक्षिण-पश्चिम में हैं। ये बांध लांकांग, यांग्त्ज़ी और जिनशा जैसी नदियों पर बने हैं।

भारत सच्चा मित्र, हमारे साथ खड़ा रहा... पाकिस्तान से जंग के बीच इजरायल ने की जमकर तारीफ, मुनीर सेना की अब खैर नहीं

एजेंसी तेल अवीव

पाकिस्तान के साथ संघर्ष के समय इजरायल खुलकर भारत के साथ खड़ा है। उसने पहले ही दिन से बिना शर्त भारत को समर्थन देने का ऐलान किया है। इतना ही नहीं, पहलगाम आतंकी हमले के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात कर अपनी संवेदना जताई और हर संभव मदद का भरोसा भी दिया। वो भी तब, जब इजरायल खुद लंबे समय से युद्ध में उलझा हुआ है, वो भी कई मोर्चों पर। ऐसे में इजरायल की तरफ से मदद का भरोसा दिया जाना यह बताता है कि भारत अकेला नहीं है। अगर जरूरत पड़ी तो इजरायल हर संभव तरीके से मदद को तैयार है, जैसा कि उसने 1999 में कारगिल युद्ध के वक्त किया था। एक वरिष्ठ इज़रायली रक्षा अधिकारी ने कैलकलिस्ट को बताया, "मित्र मुसीबत के समय अपना असली रंग दिखाते हैं और भारत एक सच्चा मित्र साबित हुआ।" "कई रक्षा मंत्रालयों ने हमसे मुंह मोड़ लिया। युद्ध की शुरुआत में, लगभग सभी इज़रायली उत्पादन को आईडीएफ (इजरायल डिफेंस फोर्सेज) की जरूरतों के लिए रि-डायरेक्ट किया गया था, और हमने देशों से डिलीवरी में फ्रैक्सिबिलिटी के लिए कहा था। अधिकांश ने हमें ठंडा जवाब दिया था, लेकिन भारत ने नहीं। वे हमारे साथ खड़े रहे।" उन्होंने कहा, "हम लगातार कश्मीर में घटनाक्रमों की निगरानी कर रहे हैं। यहां तक कि जब दुनिया कहीं और केंद्रित होती है, तब भी लगभग हर हफ्ते वहां झड़पें होती हैं। यह आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी कि यह अभियान कैसे आगे बढ़ेगा - यह खत्म हो सकता है या पूर्ण पैमाने पर युद्ध में बदल सकता है।" इजरायल के कुल हथियार निर्यात का 41% सिर्फ भारत को होता है। ऐसे में भारत इजरायली रक्षा उद्योग के लिए अब तक का सबसे बड़ा ग्राहक है। भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना बड़े पैमाने पर इजरायली हथियारों और उपकरणों का इस्तेमाल करती हैं। भारत, इजरायल में बनी हुई टावोर टार-21 असाल्ट राइफल, माइक्रो उजी सब-मशीनगन, गलिल 7.62 स्नाइपर राइफल, नेगेव एनजी-5 मशीनगन, बी-300 एंटी टैंक रॉकेट लॉन्चर, बराक-8 मिसाइल, एम-46 हॉवित्जर, स्पाइक एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल, स्पाइडर एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल, हेरोन ड्रोन, स्पाइस-2000 बम जैसे कई अन्य हथियारों का इस्तेमाल करता है। पाकिस्तान और चीन दोनों से खतरों का मुकाबला करने के लिए बनाए गए भारत के सैन्य शस्त्रागार में एल्बिट सिस्टम्स और इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (IAI) के उन्नत मानव रहित हवाई वाहन (UAV), लोइटरिंग म्यूनिशन, सटीक-गाइडेड मिसाइलें और अडवांस एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं। इसमें भारतीय नौसेना में इस्तेमाल किया जाने वाला बराक-8 एयर डिफेंस सिस्टम प्रमुख है। बराक 8 सिस्टम इजरायल के IAI और भारत के रक्षा मंत्रालय तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के बीच लंबे समय से चल रहे सहयोग का एक प्रमुख उत्पाद है।

ट्रंप ने कहा- भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम पर सहमत, मुझे घोषणा करते हो रही खुशी

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। भारत और पाकिस्तान ने इस समझौते की पुष्टि भी की है। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि संघर्षविराम समझौता आज शाम 5 बजे से लागू हो गया है। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भी समझौते की पुष्टि की है। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दोनों देशों से बात की थी इसके बाद से माना जा रहा था कि दोनों देशों में शायद तनाव कम हो। ट्रंप ने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, " संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात तक चली बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों को सामान्य बुद्धि और महान बुद्धिमत्ता का उपयोग करने के लिए बधाई। इस मामले पर आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद।" अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने लिखा, "पिछले 48 घंटों में, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और मैंने वरिष्ठ भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ बातचीत की है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर, सेनाध्यक्ष असीम मुनीर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और असीम मलिक शामिल हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारत और पाकिस्तान की सरकारें तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गई हैं तथा तटस्थ स्थल पर व्यापक मुद्दों पर वार्ता शुरू करने पर सहमत हो गई हैं। हम शांति का मार्ग चुनने में प्रधानमंत्री मोदी और शरीफ की बुद्धिमत्ता, विवेक और कूटनीति की सराहना करते हैं।" पाकिस्तानी उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने एक्स पर लिखा, "पाकिस्तान और भारत ने तत्काल प्रभाव से युद्ध विराम पर सहमति जताई है। पाकिस्तान ने हमेशा अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास किया है!"

क्रिकेट फैंस को जल्द मिलेगी खुशखबरी, फिर से कब शुरू होगा आईपीएल का रोमांच

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आईपीएल 2025 को फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहा है। संभावना है कि यह गुरुवार या शुक्रवार से शुरू हो जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव के कारण आईपीएल को रोक दिया गया था। शनिवार शाम को दोनों देशों के बीच सीजफायर की घोषणा हुई, जिससे उम्मीद है जल्दी टूर्नामेंट का रोमांच फैंस को देखने को फिर मिलेगा। इसके अलावा विदेशी खिलाड़ियों को अपनी-अपनी टीमों में शामिल होने के लिए कहा जाएगा। बीसीसीआई बाकी बचे मैचों का शेड्यूल बनाने में लगा है। धर्मशाला को छोड़कर, मैच पूरे भारत में खेले जाएंगे। सीमा पर तनाव के कारण आईपीएल 2025 को बीच में ही रोक दिया गया था। अब हालात सामान्य हो रहे हैं। ऐसे में विदेशी खिलाड़ी भी जल्स वापस भारत आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक हवाई अड्डों की स्थिति को लेकर विदेशी खिलाड़ी डरे हुए थे। वे नहीं चाहते थे कि सीमा पर तनाव के कारण उनकी यात्रा में कोई रुकावट आए। अब हर फ्रेंचाइजी अपनी व्यवस्था करेगी और बीसीसीआई से विस्तृत निर्देश का इंतजार करेगी। 'टाइम्स ऑफ इंडिया' के एक सूत्र के कहा, 'सीमा पर तनाव के कारण विदेशी खिलाड़ी डरे हुए थे, लेकिन यह हवाई अड्डे के बंद होने के कारण था। उन्होंने फ्रेंचाइजी की बात ध्यान से सुनी और उन्हें पूरा भरोसा था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के बंद होने के डर से उनमें घबराहट थी।' बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच धर्मशाला में चल रहे मैच को बीच में ही रोक दिया गया था। ऐसे में उम्मीद है कि जब टूर्नामेंट अगले हफ्ते फिर से शुरू होगा तो यह मैच को वहीं से खेला जाएगा। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल बाकी बचे मैचों का शेड्यूल तय करेगी ताकि आईपीएल को बिना किसी रुकावट के फिर से शुरू किया जा सके। बीसीसीआई जल्द ही आईपीएल 2025 के बाकी बचे मैचों का पूरा शेड्यूल जारी करेगा। सभी टीमें और खिलाड़ी अब निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि आईपीएल का रोमांच जल्द ही फिर से देखने को मिलेगा। दर्शकों को भी इसका बेसब्री से इंतजार है। आईपीएल भारत का सबसे लोकप्रिय क्रिकेट टूर्नामेंट है। यह न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में देखा जाता है।

WWE इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप जीतकर अपने ही बाप पर भड़के डोमिनिक मिस्टेरियो, अपने मुंह मियां मिट्ठू बने

एजेंसी नई दिल्ली

WWE सुपरस्टार डोमिनिक मिस्टीरियो ने रेसलमेनिया 41 में अपना पहला मेन रोस्टर सिंगल्स टाइटल जीता। बैकलैश प्रीमियम लाइव इवेंट से पहले, जजमेंट डे के सदस्य ने अपनी पहली इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप पर बात की। लास वेगास में हुए शोकेस ऑफ द इम्मोर्टल्स में, डर्टी डोम ने ब्रॉन ब्रेकर, फिन बैलर और पेंटा को हराकर IC टाइटल जीता। रेसलमेनिया के बाद RAW में उन्होंने पेंटा के खिलाफ अपनी चैंपियनशिप बरकरार रखी। द बेबीफेस पॉडकास्ट पर डोमिनिक मिस्टीरियो ने कहा कि उन्हें सिंगल्स गोल्ड जीतकर अच्छा लग रहा है, जिसमें पहले के टाइटल होल्डर्स शामिल नहीं थे। डोमिनिक मिस्टीरियो का मानना है कि उन्होंने अपने पिता रे मिस्टीरियो की विरासत को पीछे छोड़ दिया है। अब लोग उन्हें ही असली मिस्टीरियो मानते हैं। बैकलैश में डोमिनिक मिस्टीरियो अपनी WWE इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप को डिफेंड करेंगे। डोमिनिक मिस्टीरियो ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है कि आखिरकार मेरे पास सिंगल्स गोल्ड है। इसमें उन हारे हुए लोगों का कोई हाथ नहीं है, जिन्हें हमने पहले हराया था। यह अच्छा है कि इसमें किसी और रे मिस्टीरियो का कोई दखल नहीं है। मैं खुद को सबसे महान मिस्टीरियो मानता हूं। मैं यह कर सकता हूं। लोग कहते थे, 'तुम कभी भी रे की जगह नहीं ले पाओगे।' लेकिन पांच साल से भी कम समय में, लोग भूल गए हैं कि वे किस मिस्टीरियो के बारे में बात कर रहे हैं। क्योंकि वे आमतौर पर मेरे बारे में ही बात करते हैं। इसलिए, यह बहुत अच्छा रहा है।' आज बैकलैश सेंट लुइस, मिसौरी के एंटरप्राइज सेंटर से प्रसारित होगा। इस हफ्ते मंडे नाइट शो के बाद, यह तय हो गया कि डर्टी डोम का IC टाइटल PLE में दांव पर होगा। पेंटा, रेसलमेनिया के बाद RAW में युवा मिस्टीरियो से हार गए थे। क्योंकि JD McDonagh वापस आ गए थे। आयरिश ऐस ने अपने साथी जजमेंट डे सदस्य को चैंपियनशिप बरकरार रखने में मदद की। पूर्व AEW स्टार ने इस हफ्ते McDonagh को हराया। इसके बाद WWE ने एक बड़ा ऐलान किया।

पिच पर भागते हुए पहुंचीं और हो गईं रिटायर्ड आउट यूएई vs कतर मैच की घटना पर क्या है ICC का नियम

एजेंसी बैंकॉक

बैंकॉक में यूएई और कतर की महिला क्रिकेट टीम के बीच एक अनोखा टी20 मैच हुआ। यूएई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 192 रन बनाए। इसके बाद, यूएई की 10 बल्लेबाज रिटायर्ड आउट हो गईं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बारिश की संभावना थी और यूएई अपनी पारी जल्दी खत्म करना चाहता था। कतर की टीम इसके जवाब में सिर्फ 29 रन पर सिमट गई और यूएई ने 163 रन से मैच जीत लिया। क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब एक टीम के 10 बल्लेबाज रिटायर्ड आउट हुए हों। यह मैच आईसीसी महिला टी20 विश्व कप एशिया रीजन के क्वालीफायर का था। मैच में यूएई की ओपनिंग बल्लेबाज ईशा ओजा और त्रीथा सतीश ने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों ने मिलकर तेजी से रन बनाए। ईशा ने 55 गेंदों में 113 रन बनाए। त्रीथा ने 42 गेंदों में 74 रन बनाए। 16 ओवर के बाद, यूएई की टीम ने एक अजीब फैसला लिया। उनकी सभी खिलाड़ी पैड पहनकर बाउंड्री के पास खड़ी हो गईं। पहले ईशा ओजा रिटायर्ड आउट हुईं। फिर त्रीथा भी रिटायर्ड आउट होकर वापस पवेलियन लौट गईं। इसके बाद, एक के बाद एक बल्लेबाज क्रीज पर आती गईं और रिटायर्ड आउट होकर वापस जाती रहीं। यह सिलसिला तब तक चला जब तक पूरी टीम ऑल आउट नहीं हो गई। यूएई के 10 खिलाड़ी बिना खाता खोले आउट हो गए। किसी भी बल्लेबाज ने एक भी गेंद नहीं खेली। यूएई की टीम 16 ओवर में 192 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। यह देखकर सब हैरान थे कि आखिर यूएई ने ऐसा क्यों किया। यूएई के 192 रन के जवाब में कतर की टीम बुरी तरह फ्लॉप रही। पूरी टीम सिर्फ 29 रन पर ढेर हो गई। यूएई ने यह मैच 163 रन से जीत लिया। मैच के बाद, यह सवाल उठने लगा कि यूएई के खिलाड़ियों ने रिटायर आउट क्यों लिया। दरअसल, मैच के दौरान बारिश होने की संभावना थी। पारी में 4 ओवर बचे थे। आईसीसी के नियम के अनुसार, टी20 क्रिकेट में पारी को घोषित नहीं किया जा सकता है। इसलिए, यूएई ने सभी खिलाड़ियों को रिटायर आउट कराने का फैसला लिया। क्रिकेट में 'रिटायर्ड आउट' का मतलब है कि जब कोई बल्लेबाज अंपायर से बिना पूछे मैदान छोड़ देता है। अगर विपक्षी टीम का कप्तान उसे वापस बुलाने को तैयार नहीं होता, तो उसे आउट माना जाता है। आईसीसी के नियमों के अनुसार, कोई भी बल्लेबाज अपनी पारी के दौरान रिटायर हो सकता है। लेकिन, एक बार रिटायर होने के बाद, वह तभी वापस आ सकता है जब विपक्षी कप्तान अनुमति दे। अगर वह वापस नहीं आता, तो उसे 'रिटायर्ड आउट' घोषित कर दिया जाता है। यह नियम आजकल टी20 मैचों में चर्चा में है, क्योंकि टीमें इसका इस्तेमाल मैच की स्थिति के अनुसार कर रही हैं। 'रिटायर्ड हर्ट' एक अलग नियम है, जो चोट लगने पर लागू होता है। क्रिकेट में कई बार ऐसे हालात आते हैं जब खिलाड़ी को मैदान छोड़ना पड़ता है। ऐसा ही एक नियम है 'रिटायर्ड आउट'। यह तब होता है जब कोई बल्लेबाज अंपायर को बताए बिना मैदान छोड़ देता है। नियमों के मुताबिक, अगर बल्लेबाज बिना अनुमति के मैदान छोड़ता है और विपक्षी कप्तान उसे वापस बुलाने के लिए राजी नहीं होता, तो उसे 'रिटायर्ड आउट' माना जाता है। इसका मतलब है कि बल्लेबाजी का औसत निकालते समय उसे आउट गिना जाएगा। आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के अनुसार, कोई भी बल्लेबाज अपनी पारी के दौरान कभी भी रिटायर हो सकता है। "बल्लेबाज पारी के दौरान किसी भी समय रिटायर हो सकता है"। लेकिन एक बार जब कोई बल्लेबाज अपनी मर्जी से रिटायर हो जाता है, तो वह अपनी पारी को फिर से शुरू नहीं कर सकता। जब तक कि विपक्षी कप्तान इसकी इजाजत न दे। अगर बल्लेबाज वापस नहीं आता है, तो उसे 'रिटायर्ड आउट' करार दिया जाता है। इसलिए रिकॉर्ड में उसे आउट माना जाता है। आजकल, 'रिटायर्ड आउट' बहुत कम देखने को मिलता है। लेकिन टी20 जैसे मैचों में टीमें इसका इस्तेमाल रणनीति के तौर पर कर रही हैं। क्या होता है रिटायर्ड हर्ट नियम? मैच के दौरान चोट लगना भी आम बात है। क्रिकेट में भी खिलाड़ी चोटिल होते रहते हैं। अगर कोई बल्लेबाज चोटिल हो जाता है, तो 'रिटायर्ड हर्ट' नियम लागू होता है। लेकिन 'रिटायर्ड हर्ट' और 'रिटायर्ड आउट' में फर्क होता है। अगर कोई बल्लेबाज चोट, बीमारी या किसी और वजह से रिटायर होता है, तो उसे 'रिटायर्ड हर्ट' कहा जाता है। "अगर कोई बल्लेबाज चोट, बीमारी या किसी अपरिहार्य परिस्थिति के कारण रिटायर होता है, तो उसे कुछ समय के लिए रिटायर्ड हर्ट के रूप में चिह्नित किया जाता है"। 'रिटायर्ड आउट' बल्लेबाज के विपरीत, 'रिटायर्ड हर्ट' बल्लेबाज वापस आकर बल्लेबाजी कर सकता है। लेकिन वह तुरंत अपनी पारी शुरू नहीं कर सकता। वह तभी वापस आ सकता है जब कोई विकेट गिरे या कोई और बल्लेबाज रिटायर हो जाए। अगर कोई बल्लेबाज बल्लेबाजी करने वापस नहीं आता है, तो उसे 'रिटायर्ड नॉट आउट' माना जाता है। "और अगर कोई बल्लेबाज बल्लेबाजी करने नहीं आता है, तो उसे रिकॉर्ड में 'रिटायर्ड नॉट आउट' के रूप में दर्ज किया जाता है"। 'रिटायर्ड हर्ट' कोई रणनीति नहीं है। बल्लेबाज को चोट लगने के कारण रिटायर होना पड़ता है। लेकिन अगर वह ठीक हो जाता है, तो वह फिर से बल्लेबाजी कर सकता है।

यूं ही नहीं विराट कोहली से कांपता पाकिस्तान, 5 मौके जब भारतीय बल्लेबाज ने मार मारकर छाती फुला दी

एजेंसी नई दिल्ली

विराट कोहली और पाकिस्तान की टीम के बीच हमेशा से एक तगड़ी राइवेलरी देखने को मिली है। पाकिस्तान की पूरी टीम विराट कोहली से हमेशा से डरती आई है। विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ कई ऐसी यादगार पारियां खेली हैं, जिनसे पाकिस्तान के क्रिकेट फैंस का खूब दिल टूटा है। इस रिपोर्ट में आगे हम विराट कोहली की ऐसी ही 5 पारियों की बात करेंगे जिन से पूरे पाकिस्तान में विराट कोहली के नाम का खौफ रहता है। विराट कोहली ने पाकिस्तान के आक्रमण को तहस-नहस कर दिया था। उन्होंने 61 गेंदों में 78 रन बनाए। भारत ने यह मैच 8 विकेट से जीता। पाकिस्तान की टीम 19.4 ओवर में 128 रन पर सिमट गई थी। कोहली ने 9 चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने भारत को आसानी से जीत दिला दी। 2015 में विराट कोहली ने इतिहास रच दिया था। वे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। उन्होंने 126 गेंदों में 107 रन बनाए। भारत ने यह मैच 76 रनों से जीता। कोहली ने शिखर धवन (73) के साथ दूसरे विकेट के लिए 129 रन जोड़े। सुरेश रैना ने 56 गेंदों में 74 रनों की तेज पारी खेली। भारत ने 50 ओवर में 300/7 का स्कोर बनाया। जवाब में पाकिस्तान 224 रन पर ढेर हो गया। पाकिस्तान के खिलाफ 2016 टी20 वर्ल्ड कप में विराट कोहली ने 37 गेंदों में नाबाद 55 रन बनाए। भारत ने यह मैच 6 विकेट से जीता। बारिश के कारण यह मैच कम ओवर का कर दिया गया था। भारत ने पाकिस्तान को 118/5 पर रोक दिया। फिर 15.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। कोहली मुश्किल पिच पर सबसे अलग थे। उन्होंने अपनी 37 गेंदों की पारी में 7 चौके और एक छक्का लगाया। विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने करियर की सबसे यादगार पारी खेली। भारत ने पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। कोहली ने 53 गेंदों में 82 रन बनाए। भारत की शुरुआत खराब रही थी और 31/4 पर मुश्किल में था। कोहली ने हार्दिक पंड्या (40) के साथ मिलकर शानदार साझेदारी की। कोहली ने अंतिम ओवरों में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने हारिस रऊफ के खिलाफ लगातार दो छक्के लगाए। इससे भारत जीत की राह पर आ गया। पाकिस्तान को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। कोहली ने शानदार शतक लगाया। भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया। कोहली खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। उन्होंने नाबाद 100 रन बनाए। उन्होंने खुशदिल शाह की गेंद पर चौका मारकर अपना 51वां वनडे शतक पूरा किया। साथ ही, भारत को जीत दिला दी। कोहली ने मैच से पहले नेट्स में काफी अभ्यास किया था। उन्हें अपनी मेहनत का फल मिला। उन्होंने शुभमन गिल (46) के साथ दूसरे विकेट के लिए 69 रन और श्रेयस अय्यर (56) के साथ 114 रन की साझेदारी की। कोहली ने अपना 51वां ODI शतक पूरा किया। वे ODI में 14,000 रन तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी बन गए।

व्यापार

फायदा उठाने की फिराक में था चीन... अमेरकिा ने नहीं दयिा भारत-पाकिस्तान की लड़ाई में हाथ सेंकने का मौका

एजेंसी नई दिल्ली

चीन लंबे समय से दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच टेंशन की स्थिति चीन को इस क्षेत्र में मध्यस्थ या महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में खुद को पेश करने का अवसर दे सकती थी। इससे उसका राजनीतिक प्रभाव बढ़ सकता था। लेकिन, अमेरकिा ने चीन को हाथ सेंकने का मौका नहीं दयिा। उसने बीच में आकर भारत और पाकसि्तान के बीच के बीच संघर्ष वरिाम करा दयिा। अमेरकिी राष्ट्रपत‍ि डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बारे में ऐलान कयिा। उन्होंने बताया क‍ि दोनों देश तुरंत सीजफायर के लए‍ि तैयार हो गए हैं। अगर यह तनाव बढ़ता तो चीन के लिए इस क्षेत्र में अपने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के अवसर खुल जाते। वह पाकिस्तान में अपने निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं (जैसे सीपीईसी) को पहले से ही बढ़ा रहा है। इसमें और इजाफा हो सकता था। भारत-पाकिस्तान की लड़ाई वह बिना सीधे शरीक हुए हाथ सेंकने की फरिाक में था। अभी चीन अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर में उलझा हुआ है। भारत उसका क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी है। ट्रंप की टैरिफ पॉलिसियों के कारण जो कंपनियां चीन को छोड़कर भारत का रुख कर रही हैं, तनाव बढ़ने की स्थिति में उनका भरोसा डगमगा सकता था। चीन को अमेरिका के साथ डील हो जाने का इंतजार है। इसकी संभावना बढ़ रही हैं। वहीं, पाकिस्तान के साथ तनाव लंबा खिंचने पर भारत को नुकसान होने के आसार थे। विदेशी निवेशकों में इसका अच्छा मैसेज नहीं जाता। अभी सीमा पार मिसाइल हमलों का इक्विटी, मुद्रा और बॉन्ड बाजारों पर तत्काल कोई खास असर नहीं हुआ है। कारण है कि व्यापक युद्ध की आशंका कम थी। विशेषज्ञों का पहले से ही मानना था कि अगर शत्रुता समाप्त हो जाती है तो निवेश के माहौल पर ज्यादा बुरा असर नहीं पड़ेगा। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौता हुआ है और अमेरिका के साथ भी इस तरह की बातचीत चल रही है। सीजफायर के ऐलान से पहले ही मुंबई स्थित नुवामा ग्रुप के अजय मारवाह ने कहा था अगर व्यावहारिक रूप से शत्रुता खत्म हो जाती है तो निवेश के माहौल को नुकसान नहीं होगा। सिटीबैंक के विश्लेषकों ने भी कहा है कि पहले के संघर्षों का भारतीय संपत्तियों पर लंबे समय तक असर नहीं रहा है। फरवरी 2019 में पाकिस्तान के साथ तनाव के दौरान रुपया स्थिर रहा था। बॉन्ड यील्ड में 15 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी हुई थी। लेकिन, बाद में यह सामान्य हो गया था। जून 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के बाद रुपया 1% कमजोर हुआ था। लेकिन, दोनों पक्षों के पीछे हटने के बाद यह फिर से मजबूत हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ट्रेड पार्टनर्स पर भारी शुल्क लगाने के बाद भी भारतीय बाजारों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जेनस हेंडरसन इन्वेस्टर्स के पोर्टफोलियो मैनेजर सत धुरा का कहना है कि घरेलू खपत की मजबूती और केंद्रीय बैंक की ओर से मौद्रिक नीति में ढील देने के संकेत के कारण भारतीय बाजार पर ट्रंप के टैरिफ का असर कम हुआ है। भारत की अर्थव्यवस्था 6.5% की विकास दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहने की उम्मीद है। अप्रैल की शुरुआत से भारतीय शेयर बाजार दुनिया के सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक रहा है। इस दौरान निफ्टी50 में 4.6% की बढ़ोतरी हुई है। विदेशी निवेशकों ने पिछले साल अक्टूबर से इस साल मार्च तक भारतीय शेयरों की भारी बिकवाली की थी। लेकिन, अप्रैल और मई की शुरुआत में उन्होंने फिर से खरीदारी शुरू कर दी। लगभग 1.5 अरब डॉलर के शेयर खरीदे। हालांकि, वे भारतीय बॉन्ड के विक्रेता बने रहे। अप्रैल की शुरुआत से 1.7 अरब डॉलर के बॉन्ड बेच दिए।

सीजफायर होते ही पाकिस्तान का खुला एयरस्पेस, मिली संजीवनी, बैकफायर कर गया था कदम

एजेंसी नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा के तुरंत बाद पाकिस्तान ने एक बड़ा फैसला लिया है। पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र को सभी प्रकार के यातायात के लिए खोलने का ऐलान किया है। इससे विमानों की आवाजाही आसान हो जाएगी। भारत के साथ तनाव के बीच पाकिस्तान ने भारतीय वमिानों के लए‍ि अपना एयरस्पेस बंद कर दयिा था। लेकिन, यह कदम उसे बैकफायर कर गया था। इससे उसे रोजाना करोड़ों का नुकसान हो रहा था। दरअसल, जब कोई विमान किसी देश के हवाई क्षेत्र से गुजरता है तो वह देश उस विमान से कुछ पैसे लेता है। इसे 'ओवरफ्लाइट फीस' कहते हैं। एयरस्पेस बंद करने के बाद पाकिस्तान को यह फीस मिलना बंद हो गई थी। भारतीय विमान पाकिस्तान के ऊपर से नहीं जा रहे थे। वे लंबा रास्ता ले रहे थे। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर पर अखिलेश ने कहा- शांति सर्वोपरि, मालिनी अवस्थी बोलीं- Indian Army का ट्रेलर देखा 70000 सैलरी.. ढाई लाख की बुलेट.. 5000 की घूस के लिए पहुंच गए 2 किमी पाकिस्तान ने पहले भी ऐसी गलती की थी। उसके इस कदम से अमेरिका और यूरोप जाने वाली भारतीय उड़ानों में दो से ढाई घंटे की देरी हो रही थी। इससे ईंधन की खपत भी बढ़ी थी। क्रू मेंबर्स के काम के घंटे बढ़े थे। उड़ानें लेट हो रही थीं। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। इससे उसे लगभग 10 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ था। पाकिस्तान ने जो कदम उठाया था, उससे उसे ही नुकसान हो रहा था। यह ऐसा था जैसे कोई अपना पैर कुल्हाड़ी से काट ले। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि वह भारत को नुकसान पहुंचाएगा, लेकिन उल्टा हो गया। यह पाकिस्तान की बेवकूफी का एक और बड़ा नमूना था। जिस वक्त वह जगह-जगह भीख मांगता फिर रहा है, तब उसने कमाई का एक अच्छा खासा जरिया बैठे-बैठाए बंद दिया था। भारत की ओर से सिंधु जल संधि रोकने के बाद पाकिस्तान ने नकल करते हुए यह कदम उठाया था। ऐसा करने में वह यह भूल गया था कि भारत और उसकी अर्थव्यवस्था में कितना बड़ा फर्क है। पाकिस्तान ने सोचा था कि वह भारत को नुकसान पहुंचाएगा, लेकिन उसका यह कदम उसी पर भारी पड़ गया। यह उसकी नासमझी का एक और उदाहरण था। उसे यह समझना चाहिए था कि भारत की बराबरी करना उसके लिए मुश्किल है।

LIC के करोड़ों पॉलिसीहोल्डर्स के लिए गुड न्यूज, अब घर बैठे-बैठे कर सकते हैं

एजेंसी नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के करोड़ों पॉलिसीहोल्डर्स के लिए अच्छी खबर है। अब वे घर बैठे-बैठे अपने मोबाइल से प्रीमियम का पेमेंट कर सकते हैं। एलआईसी एक नई सुविधा शुरू की है। इससे LIC पॉलिसी के प्रीमियम का भुगतान WhatsApp के जरिए किया जा सकेगा। LIC ने इसके लिए एक 'WhatsApp बॉट' सेवा शुरू की है। इसका मतलब है कि आपको प्रीमियम भरने के लिए कहीं और जाने की जरूरत नहीं है। आप सब कुछ WhatsApp पर ही कर सकते हैं। LIC का कहना है कि यह विकल्प ग्राहकों को ऑनलाइन प्रीमियम भरने का एक और आसान तरीका देगा। जो ग्राहक पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं, वे WhatsApp नंबर 8976862090 का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे वे अपनी पॉलिसी देख सकते हैं जिनका प्रीमियम भरना है। वे UPI, नेट बैंकिंग या कार्ड से सीधे WhatsApp बॉट में ही पेमेंट कर सकते हैं। प्रीमियम भरने से लेकर रसीद पाने तक का पूरा काम WhatsApp बॉट में ही हो जाएगा। कंपनी के CEO और MD सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि यह सुविधा LIC के ग्राहकों के लिए बहुत आसान होगी। WhatsApp के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए, यह LIC प्रीमियम भरने का एक अच्छा तरीका होगा। आप कहीं से भी, कभी भी अपना प्रीमियम भर सकते हैं। इससे LIC की कार्यक्षमता और उत्पादकता बढ़ेगी। साथ ही, ग्राहकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। LIC के ग्राहक पोर्टल पर 2.2 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड पॉलिसीधारक हैं। हर दिन 3 लाख से ज्यादा ग्राहक ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं।

लड्डू गोपाल को स्नान कराने के बाद उस जल का क्या करें, प्रेमानंदजी महाराज से

लड्डू गोपाल जी को स्नान कराने के बाद उनके जल का क्या करें? लड्डू गोपाल की सेवा करने वाले हर व्यक्ति के मन में यह सवाल जरुर आता होगी की आखिर लड्डू गोपाल जी को स्नान कराने के बाद जल का क्या करना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, भगवान को स्नान कराने के बाद जो जल है वह चरणामृत के समान है। ऐसे में इसका निस्तारण बहुत ही सोच समझकर करना चाहिए। प्रेमानंद जी महाराज ने बताया है कि आखिरी लड्डू गोपाल के स्नान वाले पानी का क्या करना चाहिए। दरअसल, एकांत वार्ता में प्रेमानंद जी महाराज जी से सवाल किया गया है लड्डू गोपाल जी को स्नान कराने के बाद उनके जल का क्या करना चाहिए। इसका जवाब देते हुए प्रेमानंद जी महाराज ने कहा कि लड्डू गोपाल जी को स्नान कराने के बाद उस जल को या तो तुलसी जी में अर्पित कर दें और थोड़ा जल का खुद ग्रहण भी करें। इसके अलावा आप चाहें तो उस जल को किसी ऐसे घेरे में डाल सकते हैं जहां किसी का पैर न पड़े। क्योंकि, भगवान के जल है इसलिए इसका निसतारण बहुत ध्यान से करना है। इसके जिन लोगों के घर में तुलसी का पौधा नहीं है वह लड्डू गोपाल जी को स्नान कराने के बाद आप उस जल को इकट्ठा कर सकते हैं और उसे इकट्ठा करके अपने घर के बार किसी पवित्र नदी गंगा या यमुना में प्रवाहित कर सकते हैं। वहीं, लड्डू गोपाल जी को जो रोजाना फूल आदि अर्पित करते हैं तो उन फूलों को इकट्ठा करके रख लें। फिर किसी पवित्र नदी के पास जाकर किनारे पर एक गड्ढा खोदकर उन सभी फूलों को उसमें डाल दें। बता दें कि पद्म पुराण और नारद पुराण में उल्लेख है कि भगवान विष्णु या उनके अवतारों का अभिषेक जल अत्यंत पुण्यदायी होता है। ऐसा जल रोग, दोष और पापों का नाश करता है। पुराणों में बताया गया है कि भगवान को स्नान कराए हुए जल को नाली या गटर में नहीं बहाएं, क्योंकि यह जल भगवान का स्पर्श पाया हुआ है और इसका अपमान पापदायक हो सकता है। शास्त्रों में कहा गया है कि लड्डू गोपाल का जल सिर्फ जल नहीं बल्कि एक दिव्य प्रसाद है। शास्त्रों के अनुसार, आप लड्डू गोपाल के स्नान में जो वस्त्र इस्तेमाल करते हैं उन्हें भी बहुत सावधानी से धोना चाहिए। साथ ही उन वस्त्रों को संभालकर रखना चाहिए।

हिमाचल वासियों ने भगवान शिव की बारात का कैसे किया स्वागत

भगवान शंकर की पावन बारात हिमाचल के महलों की ओर बढ़ रही डगर पर थी। क्या बच्चा, क्या युवा और क्या वृद्ध! सभी बारात के आने की सूचना से आनंद के दूसरे छौर पर पहुँच गए थे। ऐसा उत्साह व चाव उन्होंने पहले कभी महसूस नहीं किया था, जैसा आज कर रहे थे। ऐसा होना स्वाभाविक भी था, और थोड़ा विचित्र भी। क्योंकि वृद्ध जनों के पास तो यह तर्क था, कि देवी पार्वती जी उनकी पुत्री के समान हैं। अब जमाई राजा का चाव हम नहीं करेंगे, तो भला और कौन करेगा? युवाओं को देवी पार्वती जी पराई कभी लगी ही नहीं थी। क्योंकि वे उनकी आयु संगिनी जो थी। किंतु बच्चों को आखिर कौन सी मस्ती थी? क्योंकि देवी पार्वती जी न तो उन बच्चों की संगिनी थी, और न ही वृद्ध जनों की भाँति उनकी पुत्री के समान थी। उन बच्चों से किसी ने पूछ ही लिया, कि बच्चों तुम्हें भला देवी पार्वती जी के विवाह का इतना चाव क्यों है? क्या तुम बच्चों को सुंदर पकवान मिलने का चाव है कया? निःसंदेह उन बच्चों ने जो प्रतिक्रिया दी, वह तो बड़े-बड़े वृद्ध अथवा मुनि भी नहीं दे पाते हैं। कारण कि देवी पार्वती तो जगत जननी हैं। उन्हें कोई पुत्री के रुप में भला कैसे देख सकता है? वे किसी युवा सखी की सखी भी नहीं हो सकती। क्योंकि मित्र भाव तो उनमें होता है, जिनमें सर्वप्रथम तो विचारों की समानता हो जाये। और दूसरी उनकी आयु में भिन्नता न हो। किंतु संसार में क्या कोई भी ऐसा है, जो कहे कि मेरे विचार और जगदंबा माता के विचारों में केई भिन्नता ही नहीं। हम दोनों एक जैसा ही सोचते हैं। ऐसा संसार में कोई भी नहीं है। क्योंकि हम संसारिक जीव, माया के बँधनों में बँधे इस लौकिक जगत में आते हैं। हमें स्वार्थ सिद्धि के सिवा कुछ और सूझता ही नहीं। त्याग की कहीं कोई भावना नहीं होती। परमार्थ क्या होता है, इससे हम कोसों दूर हैं। फिर भला हमारे विचार माँ जगदम्बा से भला कैसे मेल खा जायेंगे? दूसरा यह कि देवी पार्वती जी की आयु के हम हों, तो सखी या सखा होना संभव है। किंतु यह भी किसी भी प्रकार से संभव नहीं है। क्योंक देवी पार्वती जी ठहरी आदि शक्ति जगदम्बा जी। अब जो हों ही आदि शक्ति जगदम्बा जी, तो उनकी आयु को कोई माप सकता है भला? जब इस सृष्टि का उदय भी नहीं हुआ थी, वे तो तब भी थी। जब संपूर्ण सृष्टि का निर्माण ही उन्होंने किया है, तो वे भला हमारी आयु की कैसे हो जायेंगी? क्योंकि हमारी तो आयु ही सत्तर, अस्सी या नब्बे वर्ष होगी। इसलिए सबसे स्टीक उत्तर बच्चों ने दिया, कि आज हमारी माँ की शादी है। निःसंदेह देवी पार्वती को उन नन्हें मुन्ने बच्चों ने ही पहचाना था। क्योंकि देवी पार्वती जी ही तो, साक्षात माँ जगदम्बा जी हैं न। किंतु कुछ भी हो प्रसन्न सब ही थे। तो आईये हम भी प्रसन्न हो लेते हैं, और भोलेबाबा की बारात का स्वागत करते हैं।

ड्रीम कैचर से जुड़े 5 वास्तु नियम, इनके बिना घर में पूरी तरह नहीं आ पाएगी सकारात्मक ऊर्जा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में ड्रीम कैचर लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। ड्रीम कैचर सिर्फ सजावटी चीज नहीं है बल्कि ड्रीम कैचर का सर्कल 'द सर्कल ऑफ लाइफ' का संदेश देता है। इसका मतलब है कि पूरा जीवन कर्मों पर आधारित है। जैसे, आपने जीवन जहां से शुरू किया है, एक दिन एक चक्र से गुजरते हुए आपको वापस वही पर लौटना है इसलिए आपको किसी भी चीज की अवेहलना नहीं करनी चाहिए। इसके अलावा ड्रीम कैचर सकारात्मक ऊर्जा को संचालित करने के लिए जाना जाता है। आप भी अगर घर में ड्रीम कैचर लगाते हैं, तो आपको कुछ विशेष नियमों को जान लेना चाहिए, तभी आपको ड्रीम कैचर का पूरा लाभ मिल पाएगा। ड्रीम कैचर को सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी है। आप अगर ड्रीम कैचर को कहीं भी लगा देते हैं, तो आपको ड्रीम कैचर की पूरी सकारात्मक ऊर्जा नहीं मिल पाती है इसलिए वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार आपको ड्रीम कैचर को पूर्व दिशा या फिर उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाना चाहिए। बाजार में रंग-बिरगे कई सुंदर-सुंदर ड्रीम कैचर मिलते हैं। ऐसे में लोग ड्रीम कैचर को दीवार पर काफी क्रिएटिव तरीके से सजा देते हैं लेकिन ड्रीम कैचर के नियम के अनुसार ड्रीम कैचर को लटकाना चाहिए, चिपकाना नहीं चाहिए क्योंकि प्राकृतिक हवा से जब भी ड्रीम कैचर हिलता है, तो इससे सकारात्मक ऊर्जा संचालित होती है लेकिन दीवार पर ड्रीम कैचर लगाने का कोई लाभ नहीं है क्योंकि इससे ड्रीम कैचर हवा में नहीं झूलेगा। ड्रीम कैचर को ऐसी जगह पर न लगाए, जहां पर तेल-मसाले, धुआं, चिकनाई आदि चीजें हों। आप अगर किचन में ड्रीम कैचर लगाते हैं, तो इससे धुआं, चिकनाई ड्रीम कैचर पर आकर लगने लग जाती हैं, जिससे कि ड्रीम कैचर की पॉजिटिव एनर्जी पर असर पड़ता है। ड्रीम कैचर को कभी किचन में नहीं लगाना चाहिए। कई लोगों को हमेशा हवा में झूलने वाला ड्रीम कैचर बहुत अच्छा लगता है। इस कारण से वे ड्रीम कैचर को पंखे के नीचे भी लटका देते हैं। वास्तु शास्त्र के नियम के अनुसार ड्रीम कैचर का प्राकृतिक हवा से हिलना शुभ माना जाता है लेकिन पंखे की हवा बिजली से संचालित है इसलिए ड्रीम कैचर का पंखे की हवा में झूलते रहना ठीक नहीं है। यही कारण है कि ड्रीम कैचर को पंखे के नीचे लटकाने का कोई लाभ नहीं है। ड्रीम कैचर का मतलब ही खुलेपन और बंधन से मुक्ति से है। प्राकृतिक हवा में झूलता ड्रीम कैचर आपके अंदर पॉजिटिविटी का संचार करता है इसलिए आपको ड्रीम कैचर को खुली हवा, बालकनी आदि जगहों पर लगाना चाहिए। ड्रीम कैचर को कभी भी बंद पड़े कमरे या फिर स्टोर रूम में न लगाएं। ड्रीम कैचर हमेशा खुली प्राकृतिक

आर्थिक राशिफल : रवि योग में होगी इन 5 राशियों की उन्नति, कारोबार में पाएंगे बड़ी सफलता

मेष राशि के लोगों को भाग्य का साथ मिलेगा और आपके काम में गति आएगी। चंद्रमा की उपस्थिति व्यापार में साझेदारी और कस्टमर डीलिंग से अच्छा लाभ दिला सकती है। यदि आप फ्रीलांसर हैं तो कोई बड़ा क्लाइंट आपकी सेवाएं ले सकता है। नौकरपेशा जातकों को वरिष्ठों से मान्यता और सम्मान मिल सकता है। आपकी नेटवर्किंग बढ़ेगी और आपको लोगों से मिलने-जुलने के अवसर बढ़ेंगे, जिससे आगे चलकर मुनाफा मिलेगा। निवेश के लिए दिन अनुकूल है, आगे चलकर बड़ा लाभ होगा।

वृषभ राशि के लोगों के लिए दिन सफलता से भरा होगा और आपके लिए आर्थिक लाभ के योग बने हैं। प्रमोशन या इन्क्रीमेंट की उम्मीदें बन सकती हैं। यदि आपने किसी कानूनी या वित्तीय विवाद में पैसा अटका रखा है, तो वह मामला आपके पक्ष में हल हो सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिससे आपकी सैलरी ग्रेड में सुधार संभव है। व्यापारियों को किसी धार्मिक स्थल की यात्रा के दौरान नए कारोबारी कनेक्शन बन सकते हैं। शाम को ऑफिस से संबंधित कोई अटकी फाइल आगे बढ़ेगी जिससे बड़ा भुगतान प्राप्त हो सकता है।

मिथुन राशि के लोगों को करियर में बड़ी सफलता हासिल होगी। रचनात्मक क्षेत्रों जैसे मीडिया, मार्केटिंग, डिज़ाइन, या शिक्षा में कार्यरत जातकों को नाम और धन दोनों की प्राप्ति होगी। कोई फ्रीलांस या एक्स्ट्रा प्रॉजेक्ट आपके हाथ में आ सकता है। जिससे आपकी मासिक आय में इजाफा होगा। कारोबारियों की कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। शेयर बाजार या क्रिप्टो जैसे अस्थायी निवेशों में सोच-समझ कर ही कदम रखें, हालांकि दिन छोटा मुनाफा देने में सक्षम है। सीनियर सहयोगी से प्रेरणा मिलेगी।

कर्क राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है और आपको अपने करियर में कुछ अच्छी प्रगति देखने को मिल सकती है। आपके काम को लेकर आपके बॉस या सीनियर्स प्रभावित होंगे और आपकी प्रशंसा हो सकती है, जो आगे चलकर प्रमोशन या वेतनवृद्धि का कारण बनेगा। व्यापार में पुराने कर्ज की रिकवरी होने के संकेत हैं। साझेदारी के काम में लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। निवेश के लिए दिन अच्छा है, खासकर लॉन्ग टर्म एसआईपी या इंश्योरेंस सेक्टर में। शाम के समय कोई जरूरी मीटिंग लाभकारी सिद्ध होगी।

सिंह राशि के लोगों के लिए दिन थोड़ा व्यस्त और तनावपूर्ण हो सकता है और आपको धन संबंधी मामलों में नुकसान हो सकता है। उसके बावजूद आप आय के नए स्त्रोतों की तलाश में सफल रहेंगे।

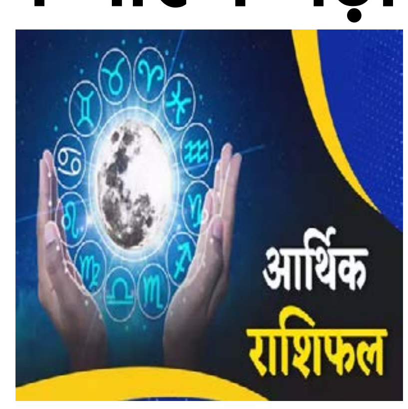

ऑफिस में किसी पुराने टास्क को पूरा करके आप बॉस की नजरों में चढ़ सकते हैं। फाइनेंस सेक्टर, सरकारी सेवा या लॉ से जुड़े जातकों के लिए कोई सरकारी पेमेंट या बोनस मिलने की संभावना है। बिजनस में पुराने निवेश से अब लाभ आने की शुरुआत हो सकती है। कोई यात्रा खर्च बढ़ा सकती है, लेकिन उससे व्यवसायिक संबंध बनेंगे।

कन्या राशि के लोगों का दिन अनुकूल है और आपको वाणी और व्यवहार में संयम से ही आर्थिक लाभ मिलेगा। अगर आप कस्टमर सर्विस, बैंकिंग, कंसल्टेंसी, या क्लाइंट डीलिंग में हैं, तो आपका दिन खास फायदे से भरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई लीड रोल मिल सकता है जिससे आपकी प्रतिष्ठा और आय दोनों में वृद्धि होगी। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में कोई निर्णय लेना हो तो शाम के बाद करें। विदेशी स्त्रोतों से पैसा आने के संकेत हैं, विशेषकर अगर आप आयात-निर्यात से जुड़े हैं।

तुला राशि के लोगों के लिए लाभ और सफलता का दिन है। आपके करियर में स्थिरता के साथ-साथ लाभ की भी स्थिति बन रही है। विवादों का निपटारा होने से रुके हुए कार्य शुरू होंगे। किसी बड़े सरकारी प्रोजेक्ट में भागीदारी हो सकती है। आय वृद्धि के लिए नया व्यवसायिक मॉडल या सब्सिडियरी प्लानिंग करनी पड़ सकती है। जमीन, प्रॉपर्टी, शेयर या फिक्स्ड इनकम जैसे क्षेत्रों में निवेश से बड़ा लाभ हो सकता है। नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो उपयुक्त ऑफर मिल सकता है।

वृश्चिक राशि के लोगों को लाभ होगा और आपके लिए दिन आर्थिक समृद्धि देने वाला हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अप्रत्याशित रूप से बोनस या इन्सेन्टिव मिल सकता है। व्यापारियों के हाथ कोई बड़ी डील लग सकती है। लंबी अवधि का फायदा मिलेगा। अगर आप किसी लोन या वित्तीय सहायता के लिए प्रयास कर रहे हैं तो स्वीकृति मिल सकती है। पारिवारिक व्यवसाय में निवेश के लिए दिन उपयुक्त है। आपकी आर्थिक योजनाएं सशक्त रूप लेंगी।

धनु राशि के लोगों के लिए दिन मिलाजुला हो सकता है। आपको करियर में थोड़ा जोखिम उठाने का मन होगा और यदि रणनीति स्पष्ट है तो फायदा निश्चित है। व्यापार में निवेश का अच्छा समय है, खासकर आईटी, ई-कॉमर्स या एजुकेशन सेक्टर में। ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर आपकी सहभागिता बढ़ेगी और आपकी भूमिका मजबूत होगी। यदि आप स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं, तो कोई बड़ा क्लाइंट मिल सकता है। दोस्तों या परिचितों से आर्थिक सहायता या व्यापारिक सलाह मिल सकती है जो फायदेमंद होगी।

मकर राशि के लोगों को लाभ होने की संभावना है और आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं। भागीदारी और संयुक्त प्रयासों से लाभ होने की संभावना है। कार्यस्थल पर एक से अधिक कार्यों को एक साथ संभालना पड़ेगा, लेकिन आप उसे बखूबी निभाएंगे। परिवार के किसी सदस्य से पैसों या बिजनस में मदद मिल सकती है। अगर आप रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन, या लॉ से जुड़े हैं तो आय में वृद्धि का योग है। कार्यस्थल में आपके अनुशासन को देखते हुए नया अवसर या जिम्मेदारी मिल सकती है जो आगे चलकर प्रमोशन का रूप लेगी।

कुंभ राशि के लोगों को पैसों के मामले में थोड़ा सोचकर खर्च करने की सलाह है। आपको स्वास्थ्य के साथ-साथ पैसों के मामले में भी सतर्क रहना होगा। कोई पुरानी आर्थिक चूक सामने आ सकती है, जिससे आपकी योजनाओं में थोड़ी रुकावट आ सकती है। लेकिन व्यापार में नये प्रयोग करने से आपको सफलता मिल सकती है। यदि आप टेक या इनोवेशन सेक्टर में हैं तो किसी निवेशक या संस्थान से ऑफर मिल सकता है। ऑफिस में अपनी योग्यता का सही समय पर प्रदर्शन करने से भविष्य में फायदा मिलेगा।

मीन राशि के लोगों को धन लाभ के योग हैं और मनी और करियर के लिहाज से लाभप्रद रहेगा। किसी बड़े सौदे या सरकारी निविदा में आपकी भागीदारी हो सकती है। नौकरी में परिवर्तन या स्थानांतरण के योग बन सकते हैं जिससे आय में वृद्धि होगी। फ्रीलांसर या कंसल्टेंट हैं तो नया क्लाइंट मिलेगा जो अच्छा भुगतान करेगा। पार्टनरशिप बिजनस में निर्णय लेते समय स्पष्टता बनाए रखें। धन आगमन के साथ-साथ निवेश के अच्छे मौके भी मिल सकते हैं।

ज्येष्ठ मास कब से शुरू होगा, जानें इस महीने के प्रमुख व्रत और पूजा के नियम

ज्येष्ठ का महीन वैशाख के बाद ज्येष्ठ का महीना आएगा। ज्येष्ठ मास में बहुत गर्मी होती है। यह हिंदू पंचांग का तीसरा महीना है। इसमें गर्मी अपने चरम पर होती है। इस महीने में प्यासे लोगों को शर्बत पिलाने का खास महत्व शास्त्रों में बताया गया है। हम जानेंगे कि ज्येष्ठ का महीना मई में कब से शुरू हो रहा है। ज्येष्ठ मास को तपस्या, संयम और सेवा का महीना मानते हैं। इस महीने में गर्मी बहुत होती है। इसलिए जल दान, व्रत और पूजा करना अच्छा माना जाता है। ज्येष्ठ महीने को जेठ माह भी कहते हैं। इस महीने में सूर्य देव और वरुण देव की पूजा करने से लाभ मिलता है। इस साल ज्येष्ठ का महीना 13 मई, मंगलवार से शुरू हो रहा है। यह महीना 11 जून, बुधवार को खत्म होगा। ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 12 मई दिन सोमवार को रात 10 बजकर 25 मिनट से शुरू होगी। यह तिथि 13 मई की देर रात तक रहेगी। इस तिथि का समापन 13 मई दिन मंगलवार को देर रात 12 बजकर 35 मिनट पर होगा। इस तरह से ज्येष्ठ माह 13 मई से आरंभ होगा। ज्येष्ठ महीने में कई खास त्योहार

आते हैं, जैसे अपरा एकादशी, शनि जयंती, वट सावित्री व्रत, गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी। ये सभी पर्व ज्येष्ठ महीने में मनाए जाएंगे। इस महीने में पूजा-पाठ का बहुत महत्व है। साथ ही इस महीने का महत्व शास्त्रों में दान पुण्य के लिए बहुत ही खास माना जाता है। अपरा एकादशी एक खास दिन है, इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। शनि जयंती पर भगवान शनि की पूजा होती है। वट सावित्री व्रत में महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में स्नान करना बहुत शुभ माना जाता है और निर्जला एकादशी में लोग बिना पानी पिए व्रत रखते है। ज्येष्ठ महीने में दान-पुण्य करना बहुत अच्छा माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस महीने में दान करने से भगवान हनुमान और सूर्य देव खुश होते हैं। लोग इस महीने में पानी से भरे घड़े, पंखे, जूते, चप्पल और कई चीजें दान करते हैं। इस महीने में कुछ खास चीजें दान करने से बहुत फायदा होता है, जैसे कि पानी से भरा घड़ा दान करना अच्छा माना जाता है।

मुलताई में दो सड़क हादसों में 7 लोग घायल
तीन गंभीर, छिंदवाड़ा हाइवे पर दो बाइक की आपस में टक्कर

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई में शनिवार शाम को दो अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसे हुए। इन हादसों में कुल 7 लोग घायल हो गए। पहला हादसा मुलताई-छिंदवाड़ा हाइवे पर डहुआ गांव के पास हुआ। दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में 5 लोग घायल हुए। इस हादसे में कुटखेड़ी के सुनील उइके (35), पट्टन के आशीष उइके (30), पांढुरना के अनिल उइके (50), कुटखेड़ी के मंशा उइके (30) और केसर बाई (55) घायल हुए। ये सभी चिखली के पास दुनावा में एक शादी समारोह में जा रहे थे। एक्सीडेंट में सुनील का सिर फट गया है। दुर्घटना में सुनील, मंशा और केसर बाई के सिर में चोटें आईं। आशीष का पैर टूट गया। आशीष के अनुसार, सामने से आ रही बाइक तेज गति में थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी सड़क पर जा गिरे। दूसरा हादसा बरखेड़ गांव के पास हुआ। एक ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। इसमें घाटबिरोली के वासुदेव कुमरे (40) और बरखेड़ के संदीप धुर्वे (30) घायल हुए। संदीप के सिर में चोट आई और वासुदेव का पैर टूट गया। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को मुलताई के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। तीन घायलों की स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बैतूल जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

फर्जी रजिस्ट्री मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार:बैतूल में 70 साल के बुजुर्ग से धोखाधड़ी, 6 में से 2 आरोपी अब भी फरार

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल पुलिस ने जमीन की धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी गुलाब उर्फ पिंटू उघड़े को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक बुजुर्ग से जमीन के सौदे में धोखाधड़ी की थी। मामला 17 फरवरी 2025 का है। झल्लार निवासी 70 वर्षीय मेघराज प्रजापति ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उमेश पवार, संदीप वर्मा, गुलाब उर्फ पिंटू उघड़े, नवीन साहू, सरिता राठौर और सुरेश राठौर ने उनके साथ धोखाधड़ी की। आरोपियों ने एक जमीन का सौदा कर दूसरी जमीन की रजिस्ट्री करवा ली। पुलिस अधीक्षक निश्चल एन. झारिया के निर्देश पर पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। पहले ही सरिता राठौर, सुरेश राठौर और नवीन साहू को गिरफ्तार किया जा चुका था। बीती देर शाम मुखबिर की सूचना पर 35 वर्षीय गुलाब उर्फ पिंटू उघड़े को भी पकड़ लिया गया। आरोपी रानीपुर रोड, भिलवाटेक गौठाना का रहने वाला है। आरोपियों ने 70 वर्षीय मेघराज से दो जमीनों का सौदा किया। रजिस्ट्री के लिए उनके दस्तावेज बनाए गए। इनमें रजिस्ट्री की गई जमीन करोड़ों रु कीमत की थी।उसे कम कीमत की जमीन बताकर वृद्ध से रजिस्ट्रार के सामने हस्ताक्षर करवा लिए गए। इस धोखाधड़ी का परिजनों को पता चलने पर कलेक्ट्रेट के पास जमकर हंगामा भी हो चुका है।

बैतूल में 24 युवाओं ने भाजपा ज्वाइन कीकेंद्रीय मंत्री उइके ने दिलाई सदस्यता, कहा- पीएम दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल के आमला विधानसभा क्षेत्र के बोरदेही मंडल के 24 युवाओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। विजय भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके और संभागीय संगठन प्रभारी पंकज जोशी ने इन युवाओं को सदस्यता दिलाई। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख और घोडाडोंगरी विधायक गंगा उइके मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री उइके ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। संगठन प्रभारी पंकज जोशी ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता सर्वोपरि है। अन्य दलों में चरण वंदना होती है, जबकि भाजपा भारत माता की वंदना में विश्वास रखती है। युवाओं को पार्टी से जोड़ने में सरपंच सचिन साहू हरन्या और लक्ष्मीनारायण साहू बोरदेही की अहम भूमिका रही। नए सदस्यों में बंटी साहू, संतोष वंदेवार, बबलू उइके, कृष्णा पाटिल, रमेश पवार, प्रशांत साहू, रवि उइके, जुगल टिटवारे, विक्की चौकीकर समेत अन्य शामिल हैं। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढेकर, मंडल अध्यक्ष यशवंत यादव और महामंत्री महेश मर्सकोले सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुलताई में अधूरे सड़क निर्माण से नाराज ग्रामीण100 से अधिक लोगों ने किया स्टेट हाईवे पर चक्का जाम, धूल और दुर्घटनाओं से परेशान

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई से परमंडल को जोड़ने वाले स्टेट हाईवे पर शनिवार सुबह 10 बजे ग्रामीणों ने चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। परमंडल गांव के 100 से अधिक लोगों ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा एक किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य पिछले चार माह से चल रहा था। डेढ़ महीने से यह काम रुका हुआ है। डामर हटाकर सिर्फ बारीक गिट्टी डाली गई है। इससे उड़ती धूल से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। कई ग्रामीण बीमार पड़ गए हैं। सड़क पर कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। ट्रक, डंपर और बसें तेज गति से गुजरती हैं। इससे धूल उड़ती है और राहगीरों को परेशानी होती है। ठेकेदार सड़क पर पानी भी नहीं छिड़कवा रहा है। श्रीकांत विश्वकर्मा, बबलू साहू, संतोष सिंह, प्रकाश झाड़े और ओम सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उनकी मांग है कि निर्माण कार्य तुरंत शुरू किया जाए। साथ ही भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से भेजा जाए और सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएंगी, वे वाहनों को नहीं चलने देंगे। प्रदर्शनकारी मुलताई के अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

मुलताई नपा की लोक अदालत से सैकड़ों लोग लौटे निराश सर्वर डाउन और बिजली कटौती से बिगड़ी व्यवस्था नहीं कर पाए टैक्स जमा

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई नगर पालिका में शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में तकनीकी खामियों और बिजली संकट के कारण व्यवस्था चरमरा गई। नपा में संपत्ति कर, जल कर, सफाई कर और लाइसेंस शुल्क पर रियायत के साथ भुगतान की सुविधा दी गई थी। सुबह से ही सर्वर डाउन होने के कारण बिल जनरेट नहीं हो पाए। यह समस्या दोपहर 2 बजे तक बनी रही। इसके बाद जब सर्वर चालू हुआ, तो बार-बार बिजली कटौती ने परेशानी और बढ़ा दी। बिजली की अनियमितता से कंप्यूटर सिस्टम बार-बार रीस्टार्ट होते रहे। कई नागरिकों का ऑनलाइन लेन-देन बीच में ही अटक गया। उन्हें पूरी प्रक्रिया दोबारा करनी पड़ी। सैकड़ों लोग घंटों खड़े रहने के बाद भी बिना काम किए वापस लौटे। कुछ नागरिकों ने कहा कि उचित व्यवस्था के बिना लोक अदालत का आयोजन महज औपचारिकता बन कर रह गया। सर्वर डाउन होने से हुई समस्या नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर ने सर्वर डाउन होने को मुख्य समस्या बताया। उन्होंने कहा कि यह तकनीकी खामी थी, जिसे सुलझाने में समय लगा। लोगों ने बताया कि नगर पालिका ऑफलाइन भी उक्त कर जमा कर सकती थी, लेकिन उचित व्यवस्था नहीं होने कारण नगर पालिका ने ऑफलाइन कर जमा नहीं किया, जिसके कारण अब उन्हें पेनल्टी भरनी पड़ेगी।

बैतूल नेशनल लोक अदालत में सुलझे 45 पारिवारिक विवाद प्रधान न्यायधीश ने की जोड़ों की काउंसलिंग बोले- पति-पत्नी को एक करना ईश्वरीय कार्य

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

बैतूल में आयोजित नेशनल लोक अदालत में कुटुंब न्यायालय ने 45 जोड़ों के पारिवारिक विवाद का समाधान किया। कुटुंब न्यायालय में प्रधान न्यायधीश शिवबालक साहू ने जोड़ों की काउंसलिंग की। इनमें सामाजिक रीति से विवाह करने वाले और प्रेम विवाह करने वाले जोड़े शामिल थे। जिला न्यायाधीश दिनेश चंद्र थपलियाल और शिवबालक साहू ने कहा कि पति-पत्नी को एक करना ईश्वरीय कार्य है। कुटुंब न्यायालय में आज समझौते के लिए 68 प्रकरण रखे गए थे। कुटुंब न्यायालय ने की विवाहित जोड़ों की काउंसलिंग। एक उल्लेखनीय मामले में, 25 वर्षीय संगीता (परिवर्तित नाम) ने दो साल पहले लोकेश से प्रेम विवाह किया था। दोनों ने आर्य समाज में शादी की थी। अलग समाज से होने के कारण लड़की के परिवार ने उसे वापस अपने घर ले आए थे। लोकेश ने कुटुंब न्यायालय में याचिका दायर कर अपनी पत्नी उसे वापस दिलाने की मांग थी। अदालत की समझाइश के बाद दोनों पति-पत्नी समझौता कर घर लौटे। इसी तरह अदालत ने दो साल से अलग रह रहे सारणी के एक मुस्लिम जोड़े को काउंसलिंग कर वापस घर के लिए विदा किया। नेशनल लोक अदालत में 26 खंडपीठों का गठन किया गया है। इनमें सिविल, आपराधिक, चेक बाउंस, धन वसूली, मोटर दुर्घटना, श्रम विवाद, विद्युत चोरी, वैवाहिक मामले और भूमि अधिग्रहण संबंधी मामलों की सुनवाई की जा रही है। यह कार्यवाही बैतूल, मुलताई, भैंसदेही और आमला में जारी है।

मुलताई स्टेशन पर नागपुर-गया स्पेशल ट्रेन नहीं रुकेगी आमला-बैतूल समेत 6 स्टेशनों पर स्टॉपेज, स्थानीय लोगों ने जताया विरोध

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मध्य रेलवे ने गर्मी की छुट्टियों के लिए नागपुर-गया के बीच स्पेशल ट्रेन शुरू की है। ट्रेन को मध्यप्रदेश में पांढुर्णा, आमला, बैतूल, इटारसी, जबलपुर और सतना स्टेशनों पर रोका जाएगा। मुलताई स्टेशन को स्टॉपेज नहीं दिया गया है। जन आंदोलन मंच के नेता अनिल सोनी ने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद डीडी उईके ने मुलताई में ट्रेनों के स्टॉपेज के लिए कोई प्रयास नहीं किया। स्थानीय निवासी पवन पाटेकर और सौरभ कड़वे ने बताया कि मुलताई से बड़ी संख्या में यात्री इन मार्गों पर सफर करते हैं। अनिल सोनी ने बताया कि नागपुर से ट्रेन 10 मई को शाम 3:40 बजे रवाना होगी। यह 11 मई को दोपहर 11:45 बजे गया पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन 13 मई को रात 8:30 बजे गया से चलेगी। यह 15 मई को शाम 3:50 बजे नागपुर पहुंचेगी। ट्रेन में 18 डिब्बे हैं। इनमें 2 लगेज-कम-गार्ड वैन, 6 सामान्य श्रेणी, 5 स्लीपर, 4 तृतीय वातानुकूलित और 1 द्वितीय वातानुकूलित कोच हैं। टिकट बुकिंग सभी पीआरएस केंद्रों और ऑनलाइन उपलब्ध है। मुलताई के लोग लंबे समय से प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग कर रहे हैं। इससे विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को यात्रा में सुविधा मिलेगी। आमला और बैतूल को स्टॉपेज मिलने के बाद भी मुलताई की उपेक्षा से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। जन आंदोलन मंच ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने जल्द ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन किया जाएगा।

नीरज और पूनम ब्लॉक में प्रथम

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

आमला के ग्राम अंधारिया के छात्र नीरज धनराज राठौर और पूनम राजेंद्र झाड़े ने हाईस्कूल परीक्षा में आमला ब्लॉक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दसवीं में नीरज ने 96.6 और पूनम ने 95% अंक हासिल किए। शुक्रवार को ग्राम पंचायत भवन में दोनों विद्यार्थियों का सम्मान किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र गढ़ेकर, घनीराम गढ़ेकर, जगदीश राठौर, लक्ष्य कोचिंग आमला के संचालक ओमप्रकाश सोनारे, प्रवीण चौहान, प्रमोद सोनारे, संतोष धाकड़, राजेंद्र झाड़े, धनराज राठौर और कार्तिकराम बारपेठे ने पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। सम्मान समारोह में अशोक रहड़वे, अशोक राठौर, राजू रहड़वे, राजू अतुलकर, कमलेश सावनेर, शशिकला मन्नासे, शोभा पाटिल सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

4 दिनों में चालू करनी होंगी 34 स्ट्रीट लाइटें बैतूल नगरपालिका को कोर्ट का आदेश ओवरब्रिज पर नहीं जल रहे लैंप

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में स्थाई लोक अदालत ने नगरपालिका को शहर के महत्वपूर्ण ओवरब्रिज की बंद पड़ी लाइटों को चालू करने का आदेश दिया है। यह ओवरब्रिज शहर को इंदौर, अमरावती, मुल्ताई, भैंसदेही और आठनेर से जोड़ता है। शाहपुर निवासी वकील मनीष शुक्ला ने वकील गिरीश गर्ग के माध्यम से स्थाई लोक अदालत में याचिका दायर की थी। इसमें बैतूल कलेक्टर, पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री और नगरपालिका के मुख्य अधिकारी को पक्षकार बनाया गया। मामला धारा 22 सी विधिक सेवा अधिनियम के तहत दायर किया गया था। याचिका में सदर गेंदा चौक से बडोरा के बीच स्थित रेलवे लाइन के ऊपर बने पुल की जर्जर सड़क के पुनर्निर्माण और बंद लाइटों को चालू करने की मांग की गई थी इसके बाद विभाग ने कोर्ट के आदेश के बाद मेस्टिक एस्फाल्ट की सड़क का निर्माण कर दिया है। हालांकि, ओवरब्रिज पर लगे 34 ट्यूबलर पोल की लाइटें अभी भी बंद हैं। कोर्ट ने नगरपालिका को इन सभी लाइटों के आर्म ब्रैकेट को चालू हालत में रखने और लाइटें दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। नगरपालिका को 14 मई तक पालन प्रतिवेदन पेश करना होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949